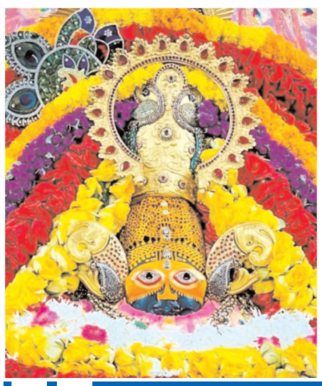

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:337। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

लोकसभा में जितेंद्र सिंह ने पेश किया पेपर लीक विरोधी बिल

स्पीकर बोले- 'ये सुधार का प्रथम कदम'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश किया। यह कदम नीट पेपर लीक के खिलाफ कई सप्ताह तक चले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है। शून्यकाल के दौरान सदन में जारी विपक्ष सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक-2026 पेश किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने सदन की मेज थपथपाते हुए अपना समर्थन दिया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने विधेयक पर संशोधन प्रस्तुत करने के लिए दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया। स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण विधेयक है। इससे सदन और देश की मंशाओं पर व्यापक चर्चा होगी। सभी दल के लोग इस विषय पर बहुत दिनों से मांग कर रहे थे। ये सुधार का प्रथम कदम है। ' स्पीकर ने आगे कहा, 'मैं सोचता हूं कि सदन में इस विधेयक पर चर्चा हो। सभी इस पर अपने मत व्यक्त करें, ताकि किस तरीके से हम देश के अंदर पेपर लीक को रोकने का एक समुचित कदम उठा सकें। '

इसी बीच, विपक्ष की नारेबाजी और हंगामा बरकरार रहा। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों से अनुरोध करते हुए कहा, 'इस विषय पर बोलने का आपको (विपक्षी सदस्यों को) बोलने का पर्याप्त समय दिया जाएगा। सदन की जितनी सहमति होगी, उतना समय इस विधेयक पर चर्चा के लिए दिया जाएगा। मेरा आग्रह है कि इस महत्वपूर्ण विधेयक पर सदन का सहयोग करें और चर्चा करें। ' उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, 'आप बहुत दिन से इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे थे। इस पर आज चर्चा है। विधेयक के अलावा

आप जो भी सुझाव देंगे, निश्चित रूप से उन सुझावों पर सरकार अमल लाने का प्रयास करेगी। यही लोकतंत्र है, जहां सबके मत और विचार आएं। लोकतंत्र की इस प्रक्रिया में मैं सदन से अपेक्षा करता हूं कि नारेबाजी और तख्तियां दिखाने की जगह चर्चा करें। स्पीकर ओम बिरला के बार-बार अनुरोध के बावजूद विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा जारी रखा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

●'हंगामा नहीं चर्चा करें...' सदन में विपक्ष के लगातार विरोध पर बोले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से फिर अपील की कि वे संसद में हंगामा करने के बजाय 'पब्लिक एग्जामिनेशन' (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक देशभर के छात्रों की चिंताओं को दूर करने और पेपर लीक में शामिल दोषियों को समयबद्ध व सख्त सजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। रिजजु ने इस विधेयक पर विपक्ष से खुली चर्चा करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे परीक्षा सुधारों के लिए पीएम मोदी द्वारा घोषित उपायों पर विचार करें, जिसमें एक उच्च-स्तरीय टास्क फोर्स का गठन और प्रस्तावित कानून शामिल है। रिजिजू ने कहा, 'मैं उनसे अपील करना चाहता हूं कि वे प्रधानमंत्री द्वारा आज लिए गए महत्वपूर्ण फैसले पर विचार करें। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उपाय घोषित किए गए हैं, एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है और परीक्षा प्रणाली में सुधार करने तथा भविष्य में कोई लीक न हो ।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार

प्रोटोकॉल तय हो | पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन

सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

संसद मार्च में छात्रों पर पैलेट गन चलाने वाले आरएएफ जवान की पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच टीम ने उस रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान की पहचान कर ली है, जिसने प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन से फायरिंग की थी। सीआरपीएफ से जुड़े सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि संबंधित जवान ने कुल सात राउंड फायर किए थे। इनमें पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो राउंड जमीन पर लगे। सभी फायरिंग कनॉट प्लेस क्षेत्र में हुई थी। अब जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि किन परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और फायरिंग किन-किन स्थानों पर हुई। सीआरपीएफ की आंतरिक जांच टीम पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट अगले एक सप्ताह में आने की संभावना है।

बिहार बंद हिंसा: सिवान में एके-47 से फायरिंग करने वाला पुलिस कर्मी सस्पेंड

एजेंसी

सिवान। बिहार बंद के दौरान 25 जुलाई को सिवान में हुए बवाल और एके-47 से फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के निर्देश पर फायरिंग करने वाले सिपाही अभिषेक कुमार पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई

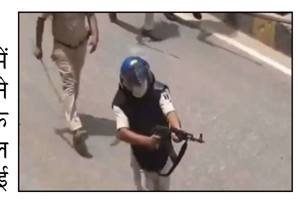

के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। वहीं, कुछ पुलिस जवानों में इस निर्णय को लेकर नाराजगी की भी चर्चा है। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि मुख्यालय के निर्देश पर सिपाही अभिषेक कुमार पटेल को निलंबित किया गया है। मामले की विभागीय जांच भी कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनम वांगचुक को अस्पताल से मिली छुट्टी, बोले- काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं

एजेंसी

नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वांगचुक 28 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर अनशन पर बैठे थे। उन्होंने 26 दिन बाद 24 जुलाई को अपना अनशन समाप्त किया था। वांगचुक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आखिरकार मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। मैं महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाऊंगा और फिर पहाड़ों पर वापस लौटूंगा। आप सभी का धन्यवाद। मेदांता अस्पताल, गुड़गांव के डॉक्टरों और स्टाफ की पूरी टीम का भी बहुत-बहुत आभार।' वांगचुक ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'आज आखिर वह दिन आ गया है, जब मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। धीरे-धीरे खाना शुरू कर दिया है और शरीर में ताकत लौट रही है। लद्दाख लौटने से पहले मैं राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा। आपको याद होगा कि इस अभियान की शुरुआत से पहले भी हम राजघाट गए थे और वहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद जंतर-मंतर पहुंचे थे। '

महबूबा मुफ्ती को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए थी: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को जंतर-मंतर पर बल प्रयोग के बारे में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए थी, न कि इसके लिए एआई जनरेटेड वीडियो को जिम्मेदार ठहराना चाहिए था। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती पर जम्मू-कश्मीर के बाहर के कुछ वर्गों को खुश करने की कोशिश करने और व्यापक आलोचना के बावजूद अपनी कही बात को न मानने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि मुफ्ती जंतर-मंतर पर जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात रखने नहीं गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ्ती की बातों से कश्मीर घाटी में बल प्रयोग को सही ठहराया गया और उसका समर्थन भी किया गया। उन्होंने कहा कि भले ही उग्रवाद एक चुनौती बना हुआ है, लेकिन इससे आम लोगों के खिलाफ मनमानी कार्रवाई को सही नहीं ठहराया जा सकता। उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'अगर यहां उग्रवाद है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि लोगों को बिना वजह गिरफ्तार किया जाए या उनके पासपोर्ट रोक दिए जाएं। '

राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को लेकर बैठक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की प्रगति को लेकर बैठक ली। उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को एमओयू के क्रियान्वयन में गति लाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के एमओयू को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन एमओयू के धरातल पर लागू होने से प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ऐसे में इन एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग के लिए सभी विभाग लक्ष्य निर्धारित करते हुए भूमि आवंटन सहित अन्य स्वीकृतियों की प्रक्रियाओं में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एमओयू के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने एवं संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद रखने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में ऊर्जा, उद्योग, खनन, पर्यटन, स्वायत शासन, कृषि, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, आयुष, स्कूल शिक्षा, युवा एवं खेल, तकनीकी शिक्षा सहित अन्य विभागों से संबंधित एमओयू की प्रगति को लेकर चर्चा की गई।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन: कागड़ापीठ में किसके संरक्षण में चल रहे कथित अवैध धंधे? रिपोर्ट ने उठाए बड़े सवाल

स्पेशल ब्लास्ट: कागड़ापीठ बना 'क्राइम का सेंटर'

खाकी के संरक्षण में चल रही गैर-कानूनी सल्तनत का पर्दाफाश!

एडमिनिस्ट्रेटर विजय सिंह का अरबों का काला साम्राज्य: PI एस. ए. गोहिल की शक भरी चुप्पी या मजबूरी? अहमदाबाद पर ज़हरीले केमिकल के धंधे की वजह से एक और बड़ी कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है!

एक्सक्लूसिव रिपोर्ट महानगर मेट्रो न्यूज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। भले ही गुजरात सरकार और होम डिपार्टमेंट ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी की बात कर रहे हों, लेकिन अहमदाबाद शहर के कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन इलाके में तस्वीर बिल्कुल उलट है। कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन के मौजूदा सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर एस. ए. गोहिल और उनके तथाकथित सबसे खास और 'लड़के' एडमिनिस्ट्रेटर विजय सिंह की ढीली लगाम के राज में पूरा इलाका शराब और वर्ली मटका जुए का बड़ा अड्डा बन गया है। जब कानून के रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी बिगड़ सकती है, इसका जीता-जागता सबूत कागड़ापीठ की गलियों में देखने को मिल रहा है। हर गली में गैंग का आतंक: देखें अड्डों की ग्राउंड लिस्ट

कागदापीठ इलाके के हर कोने में चल रहे गैर-कानूनी धंधों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश हमारे 'पाको गुजरात' के सीक्रेट सोर्स ने किया है, जिसमें खाकी के डर के बिना खुलेआम काला धंधा चल रहा है

ज्योति अंकुर गली: इस रिहायशी इलाके में देसी शराब के भयानक अड्डे चल रहे हैं, जहां दिन-रात असामाजिक तत्व जमा रहते हैं और वहां के लोगों और महिलाओं का जीना हराम हो गया है।

रोजनी वोरा के बगल में अनिल लाखा: यहां कानून को ताक पर रखकर वर्ली मटका जुए का बड़ा खेल चल रहा है।

चाय की केतली के पास मुन्ना श्रीराम (सूर्या और लता का अड्डा): चाय की केतली जैसी पब्लिक जगह के आसपास, सूर्या और लता नाम के बूटलेगर खुलेआम देसी शराब बेचते हैं। हनुमानजी मंदिर के पास (मुकेश-तेजल हुलाडिया): हनुमानजी मंदिर के पास, जो धार्मिक आस्था का केंद्र है, मुकेश और तेजल हुलाडिया शराब की भट्टियां और अड्डे चलाकर उस जगह की पवित्रता का अपमान कर रहे हैं।

संतोक पाशा (बेहरामपुरा): संतोक पाशा बेहरामपुरा इलाके में देसी शराब का बड़ा साम्राज्य चलाता है, जहाँ से पूरे इलाके में बोतलें सप्लाई की जाती हैं। होलसेल नेटवर्क और नेटवर्क: देसी शराब के मुख्य होलसेल व्यापारी अक्षय, राजू कोष्टी, हरि पॉटर और गैलो पूरे अहमदाबाद शहर में केमिकल वाली शराब की तस्करी (सप्लाई) कर रहे हैं। दूसरी ओर, 'जेनी' नाम का एक इसाम वर्ली मटका जुए का मुख्य नेटवर्क चलाता है।

कंतोडियावास लट्ठा घटना की याद ताज़ा: क्या गरीबों के घरों के चिराग फिर बुझेंगे?

यह सभी अहमदाबाद निवासियों और गृह विभाग के लिए एक रेड फ्लैग वॉर्निंग है। इससे पहले कागड़ापीठ के पास कंटोडियावास में ज़हरीले केमिकल वाली देसी शराब पीने से एक भयानक लट्ठा कांड हुआ था, जिसमें कई बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी और अनगिनत परिवार अनाथ हो गए थे।

मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, अब भी ज़्यादा मुनाफ़ा कमाने के अंधेरे पागलपन में शराब के तस्कर शराब का असर बढ़ाने के लिए उसमें जानलेवा केमिकल और यूरिया मिला रहे हैं। यह ज़हरीली शराब पूरे शहर में सप्लाई की जा रही है। अगर एक बार फिर कागड़ापीठ की इन गलियों में लट्ठा कांड होता है और लोगों की जान जाती है, तो इसका गुनहगार कौन है?

या करोड़ों रुपये मैनेज करने वाले कथित एडमिनिस्ट्रेटर विजय सिंह इसकी ज़िम्मेदारी लेंगे

सबसे हैरान करने वाली और गंभीर बात यह है कि विजय सिंह नाम के पुलिस अधिकारी की ऑफिशियल पोस्टिंग पुलिस कंट्रोल रूम में है। कंट्रोल रूम में अपनी ड्यूटी करने के बजाय, विजय सिंह पूरे दिन भीड़भाड़ वाले पुलिस स्टेशन एरिया में घूमते और बूटलेगरों के साथ मीटिंग करते दिखते हैं।

10 साल का काला इतिहास: विजय सिंह पिछले 10 सालों से हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

पहले वह नारोल पुलिस स्टेशन में अनऑफिशियल 'एडमिनिस्ट्रेटर' के तौर पर काम कर रहा है और फिर भीड़भाड़ वाले पुलिस स्टेशन में।

करोड़ों रुपये की कमाई: शराब और जुए के अड्डों से हर महीने लाखों रुपये की किश्तें जमा करके उसने करोड़ों रुपये की काली संपत्ति बनाई है।

गॉडफादर का छाता: सूत्रों की मानें तो विजय सिंह को अहमदाबाद में पहले रहे एक बहुत ताकतवर और 'मशहूर एडमिनिस्ट्रेटर', PSI का पूरा सपोर्ट है। इसी पॉलिटिकल और खाकी कनेक्शन की वजह से वह अब बेरहम हो गया है।

पुलिस कमिश्नर और हर्ष संघवी को सीधी चुनौती?

राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी और अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर क्राइम के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी का ऐलान कर रहे हैं, लेकिन कागड़ापीठ के एडमिनिस्ट्रेटर विजय सिंह इन बड़े अधिकारियों और मिनिस्टर के ऑर्डर की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं।

विजय सिंह के प्रोटेक्शन और डर की वजह से न सिर्फ लोकल पुलिस, बल्कि क्राइम ब्रांच, DCP स्क्वाड या सेक्टर स्क्वाड भी कागड़ापीठ के इन ठिकानों पर रेड करने से हिचकिचा रहे हैं। साफ लग रहा है कि PI गोहिल ने भी विजय सिंह पर अपने हथियार फेंके हैं या अपनी सहमति दी है।

'महनगर मेट्रो' के तीखे और सीधे सवाल

1. सरकारी सैलरी और अरबों की प्रॉपर्टी? कंट्रोल रूम में एक मामूली नौकरी करने वाला कर्मचारी विजय सिंह इतनी लग्जरी और ऐशो-आराम की ज़िंदगी कैसे जीता है?
2. जांच क्यों नहीं? विजय सिंह और उसके साथियों के बैंक अकाउंट, बेनामी प्रॉपर्टी और काली कमाई की जांच एंटी-करप्शन ब्यूरो या ED क्यों नहीं कर रही है?
3. क्या खाकी से भरोसा वापस आएगा? क्या पुलिस के बड़े अधिकारी अपने ही सिस्टम में चल रहे इस वसूली और काले धंधे पर बुलडोजर चलाएंगे, या फिर किसी और लिंचिंग की घटना का इंतज़ार करेंगे और बेगुनाहों की बलि दिए जाने का इंतज़ार करेंगे?

अब देखना यह है कि इस रिपोर्ट के बाद होम डिपार्टमेंट जागेगा या विजय सिंह का काला धंधा ऐसे ही फलता-फूलता रहेगा!

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी सदस्यों की कथित होटल पार्टी का वीडियो वायरल

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक कथित होटल पार्टी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद संगठन की कार्यशैली, नेतृत्व और आंदोलन की फंडिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। वीडियो को वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है, जिसके बाद आंदोलन और संगठन को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। NEET-UG परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ कई सप्ताह तक चले आंदोलन के बाद 25 जुलाई 2026 को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की बड़ी जीत बताया गया। इसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो वायरल हुआ, जिसमें CJP के कुछ लोग एक होटल में पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में जश्न का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां नाच-गाना भी चल रहा है। वीडियो शेयर करते हुए महेश जेठमलानी ने सवाल उठाया कि क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है और क्या CJP नेतृत्व दिल्ली के एक होटल में पार्टी कर रहा है। महेश जेठमलानी ने कहा कि दिल्ली में कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन चले। उन्होंने सवाल किया कि इस दौरान यात्रा, खाने और रहने का खर्च किसने उठाया और इस आंदोलन की फंडिंग किसके द्वारा की गई। उन्होंने इससे पहले भी छुक्कके आंदोलन और नेतृत्व को लेकर कई बार बयान दिए हैं।

अमित मालवीय ने वीडियो को लेकर क्या कहा?: भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने लिखा कि हर किसी को कड़ी मेहनत के बाद आराम करने और जश्न मनाने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए समय और जगह का भी महत्व होता है।

विश्व शेर दिवस की तैयारियों को लेकर सासन में कार्यशाला आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सासन। गुजरात में 10 अगस्त को मनाए जाने वाले विश्व शेर दिवस की तैयारियों के तहत 26 जुलाई को सासन में वन्यजीव विभाग की ओर से एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में डिप्टी कंज़र्वेटर ऑफ़ फ़ॉरेस्ट अवनीश्वर व्यास ने मानव-शेर संघर्ष को गंभीर विषय बताते हुए ऐसे मामलों की रोकथाम पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शेर वन्यजीव हैं और इंसानों को उनके प्रति समझदारी व सतर्कता से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की तथा जिला समन्वयकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों से बेहतर समन्वय के साथ अभियान सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यशाला का समन्वय करशनभाई वाळा ने किया। 10 अगस्त को राज्य के 11 जिलों के 58 तालुकों में विश्व शेर दिवस मनाया जाएगा।

नरोल पुलिस ने 2 किलो से ज़्यादा गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ़्तार किया और 1.60 लाख रुपये से ज़्यादा ज़ब्त किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी और NDPS गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (सेक्टर-2), डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (ज़ोन-6) और असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस ने खास निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के आधार पर, नरोल पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर जे.बी. अग्रवत साहब की सीधी देखरेख में पुलिस ने एक सफल ऑपरेशन चलाया। पुलिस टीम के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर नागजीभाई कीरितभाई (बैज नंबर-9689) को मिली खास गुप्त सूचना के आधार पर, नरोल सर्कल के पास AMTS बस स्टॉप के पास सार्वजनिक सड़क पर छापेमारी की गई। वहां से गुज़र रहे एक ऑटो रिक्शा को रोककर तलाशी लेने पर दो लोगों को पकड़ा गया।

1. रियाजुद्दीन खुदाबख्श काज़ी (उम्र 63 साल, पताः८/105 सूफियान फ़्लैट, चांदनी फ़्लैट के पास, मीटर्ड स्ट्रीट, फतेहवाड़ी नहर, अहमदाबाद)

2. समीर उर्फ़ पांगो सलीमभाई शेख (उम्र 26 साल, पताः रूहश्र.-73 ज़िनत रेज़िडेंसी सेक्शन-2, मीटर्ड स्ट्रीट, फतेहवाड़ी नहर, अहमदाबाद)

कुल 1,60,500 रुपये का सामान ज़ब्त

पुलिस ने आरोपियों से 2 किलो 10 ग्राम हर्बल गांजा (कीमत 1,00,500 रुपये), एक ऑटो रिक्शा (कीमत 50,000 रुपये) और 2 मोबाइल फ़ोन (कीमत 10,000 रुपये) ज़ब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 1,60,500 रुपये है। आरोपियों के खि़लाफ़ नरोल पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट की धारा 8(C), 20(B)(2)(B) और 29 के तहत मामला (G.R.No.-11191065260743/2026) दर्ज किया गया है। नरोल पुलिस ने NDPS के इस बड़े मामले का पता लगाकर सराहनीय काम किया है। जे.बी. अग्रवत (पुलिस इंस्पेक्टर), एम.वी. लुवा (पुलिस सब-इंस्पेक्टर, सर्विलांस स्क्वाड), ASI नागजीभाई कीरितभाई, PC विश्वराजसिंह राजेंद्रसिंह और PC शक्तिसिंह दिलीपसिंह।

तालुका में गौरी व्रत की शुरुआत: कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर की कामना से गोरमा की पूजा करती हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए गौरी व्रत की महिमा भारत में मशहूर है। शास्त्रों में भी बताया गया है कि इसी व्रत के बल पर दिव्य कन्या को भगवान अनिरुद्ध का पुत्र अपने दिल का प्रेमी मिला था, तभी से इस गौरी व्रत की परंपरा चली आ रही है। आषाढ़ी बीज के दिन गोरमा लगाने के बाद आषाढ़ सुद तेरस से पांच दिनों तक यह पवित्र व्रत मनाया जाता है। आज दभोई शहर और पूरे तालुका में यह त्योहार शुरू हो गया है। पूरे भारत के साथ-साथ दभोई की कुंवारी लड़कियां भी लगातार पांच दिनों तक बिना नमक का खाना खाकर श्रद्धा से गोरमा की पूजा कर रही हैं। शास्त्रों में सभी व्रतों में महिलाओं के लिए खास जगह बताई गई है। इस व्रत के दौरान, जवान लड़कियां काजू, अंगूर, बादाम, अखरोट और आलूबुखारे जैसे ड्राई फ्रूट्स से भरे सुंदर रंग-बिरंगे बैग लेकर शहर की मुख्य सड़कों पर घूमती और जश्न मनाती हुई दिखाई देती हैं।

डभोई के सीतापुर में सिद्धनाथ महादेव मंदिर रेनोवेशन के बाद भक्तों को अपनी ओर खींच रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखने वाला डभोई तालुका के सीतापुर गांव में मौजूद सदियों पुराना श्री सिद्धनाथ महादेव मंदिर हाल ही में आकर्षण का केंद्र बन गया है। मंदिर का भव्य रेनोवेशन (नवीनीकरण) का काम हाल ही में पूरा हुआ है। आज जैसे ही सजे-धजे और नए बने मंदिर के गेट भक्तों के लिए खुले, सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ दर्शन के लिए जमा हो गई। एक तरफ मंदिर में धार्मिक उत्साह का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर भरे बारिश के पानी ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण मंदिर परिसर और आसपास के आने-जाने के रास्तों पर पानी भर गया है। बारिश के पानी की निकासी का सही सिस्टम न होने के कारण सड़कों पर पानी भर गया है। सबसे बुरी हालत उन छोटी बच्चियों की हुई जो पवित्र गौरी व्रत के पहले दिन पूजा के लिए निकली थीं। गांव वालों ने मिलकर मंदिर तक पहुंचने के लिए रास्ता साफ किया था, लेकिन पानी ज़्यादा होने की वजह से पैदल चलना नामुमकिन हो गया। आखिर में, माता-पिता और गांव वालों को बच्चियों को ट्रैक्टर में डालकर पानी के बीच से सुरक्षित मंदिर तक पहुंचाना पड़ा। गांव वालों में प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है। गांव में इतना बड़ा धार्मिक आयोजन होने के बावजूद सड़कों पर पानी भरा हुआ है और पानी निकलने की कोई सुविधा नहीं है, जिससे सीतापुर गांव के लोगों में बहुत गुस्सा है। स्थानीय गांव वालों ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि यह प्रशासन के लिए बहुत शर्म की बात है

इसे कहते हैं 'चाय से भी गरम'

पूरे ईस्ट अहमदाबाद में प्राइवेट वहीवटदार का साम्राज्य: धमाका कि हर महीने शराब और जुए के अड्डों से करोड़ों रुपये इकट्ठा किए जा रहे हैं!

मेघानीनगर, अमराईवाड़ी, नरोदा और कृष्णानगर में एक ही वहीवटदार की 'पैरेलल पावर'! ट्रांसफर और सस्पेंशन के बावजूद विवादित वहीवटदार पीयूष देसाई की 'सेटिंग'

कृष्णानगर पुलिस स्टेशन में ASI विवाद ACB और पुलिस कमिश्नर चुप क्यों हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पूर्वी इलाके के कृष्णानगर पुलिस स्टेशन में पैदा हुए 'चाय से भी गरम' हालात से पूरी पुलिस फोर्स शर्मिंदा है। कृष्णानगर पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात ASI राजेंद्र पटेल नाम के एक कर्मचारी ने उस पर लगाई गई सारी हदें पार कर दीं और P.I. बन गया। चौंकाने वाले सीन सामने आए हैं जहां PI और ACP लेवल के सीनियर अधिकारियों की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लेकिन इस खाकी वर्दी वाले घमंड के पीछे असली खेल करोड़ों रुपये का 'हप्ता राज' और गैर-कानूनी काला धंधा है। यह एक बड़ा खुलासा हुआ है कि ईस्ट अहमदाबाद के कृष्णानगर, मेघानीनगर, अमराईवाड़ी और नरोदा पुलिस स्टेशनों में खाकी वर्दी वालों का नहीं, बल्कि प्राइवेट एडमिनिस्ट्रेटर्स का राज चल रहा है! 4-4 पुलिस स्टेशनों का एडमिनिस्ट्रेशन एक ही आदमी के हाथ में है? किस 'साहब' का आशीर्वाद? अहमदाबाद के कथित और बदनाम एडमिनिस्ट्रेटर पीयूष देसाई, जो पहले भी कई विवादों में सस्पेंड हो चुके हैं, एक बार फिर चर्चा के सेंटर में आ गए हैं। जिले से बाहर ट्रांसफर होने के बावजूद सेटिंगः कागजों में भले ही पीयूष देसाई का अहमदाबाद से बाहर ट्रांसफर हो गया हो, लेकिन वे अहमदाबाद छोड़ने को तैयार नहीं हैं। यह विवादित आदमी अहमदाबाद में ही रहते हुए किस बॉस के सिस्टम से 'पैरेलल पावर' चलाता है?

कृष्णानगर, मेघानीनगर, अमराईवाड़ी और नरोदा में नेटवर्क; आरोप है कि यही आदमी ईस्ट अहमदाबाद के कृष्णानगर, मेघानीनगर, अमराईवाड़ी और नरोदा पुलिस स्टेशनों के PI, सेक्टर साहिब और बड़े अधिकारियों का सारा फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन (किश्तें जमा करना) संभाल रहा है।

सब-एडमिनिस्ट्रेटर की फौज: इन चारों इलाकों में और खासकर कृष्णानगर में, क्रुणाल देसाई नाम के एक सब-एडमिनिस्ट्रेटर को लोकल लेवल पर शराब और जुए के अड्डों से कैश इकट्ठा करने के लिए फील्ड में तैनात किया गया है!

20 से 25 लाख का 'पोस्टिंग खर्च' और करोड़ों का शराब और जुए का धंधा!

सूत्रों से मिली बेहद सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक P.I. के ट्रांसफर का हिसाब: अहमदाबाद में नरोदा, अमराईवाड़ी, मेघानीनगर या कृष्णानगर जैसे पुलिस स्टेशन का चार्ज पाने के लिए 20 से 25 लाख रुपये खर्च होते हैं। किश्तों में वसूली: इस इन्वेस्टमेंट को वसूलने के लिए चारों पुलिस स्टेशन एरिया में खुलेआम देसी और विदेशी शराब के अड्डे, वर्ली-मटका और जुए के अड्डे चलाने की इजाज़त दी जाती है।

इलाके में ज़हरीले केमिकल वाली शराब: नरोडा, मेघानीनगर और अमराईवाड़ी के घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों में केमिकल वाली ज़हरीली शराब खुलेआम बिक रही है।

महानगर मेट्रो' के सीधे और तीखे सवाल

1. अगर मेघानीनगर, अमराईवाड़ी या नरोडा एरिया में इस ज़हरीले केमिकल वाली शराब की वजह से कोई बड़ा दंगा होता है और बेगुनाह लोगों की जान जाती है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? क्या पीयूष देसाई एक हड़पने वाला एडमिनिस्ट्रेटर है या एक PI जो आँखें मूंद लेता है?

2. पीयूष देसाई, जिसका ट्रांसफर हो चुका है और जो पहले ही सस्पेंड हो चुका है, वह हर महीने 4 पुलिस स्टेशनों से किश्तों में करोड़ों रुपये वसूलकर अरबों का एम्प्लॉई कैसे बन गया? 3. एंटी-करप्शन ब्यूरो और अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर इन कथित एडमिनिस्ट्रेटर्स और PIs की प्रॉपर्टी की जांच क्यों नहीं करते जो करोड़ों कमाते हैं?

अब तो जागो कमिश्नर सर!

जब पुलिस, जो जनता की रक्षा के लिए होती है, सिर्फ़ एडमिनिस्ट्रेटर्स के इशारे पर नाचती है और शराब और जुए के अड्डों से किश्तें वसूलने में खुश रहती है, तो पूरे ईस्ट अहमदाबाद में लॉ एंड ऑर्डर की हालत खराब हो जाती है। अब देखना यह है कि इस तीखी रिपोर्ट के बाद होम डिपार्टमेंट और अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर खाकी को बदनाम करने वाले इन एडमिनिस्ट्रेटर्स के खिलाफ़ कोई सख्त एक्शन लेंगे या बस 'सब ठीक है!' कहकर मामले को रफा-दफा कर देंगे।

वडोदरा के गोत्री GMERS हॉस्पिटल में बड़ा स्कैम या सिस्टम पर निर्भरता? मरीज़ को ले जाते समय टूटा ट्रेस्टल

अधिकारियों के पाप से मरीज़ मुश्किल में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा का तथाकथित हाई-टेक और शानदार गोत्री तस्ब्धक्र मेडिकल हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों के भंवर में घिर गया है। यह सरकारी हॉस्पिटल, जिसे गरीब और मिडिल क्लास मरीज़ों के लिए वरदान माना जाता था, अब लगता है कि एडमिनिस्ट्रेशन की बड़ी लापरवाही और अंदरूनी भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के पाप के कारण मरीज़ों की सुरक्षा पर तीखे सवाल उठाते हुए एक बहुत ही शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसमें मरीज़ को ले जाते समय अचानक हॉस्पिटल का ट्रेस्टल टूट गया! ऐसे हालात बन गए जैसे इलाज के लिए आए बेबस मरीज़ और उसके रिश्तेदारों पर तूफ़ान आ गया हो। इलाज के लिए जान जोखिम में डालने को मजबूर मरीज़ः भागते समय टूटा ट्रेस्टल! यह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि हॉस्पिटल में मरीज़ों की सुविधा के लिए रखे इक्विपमेंट कितने बेकार और खराब हालत में हैं। अचानक धमाका और स्ट्रेचर गिर गयाः मरीज़ को एक वार्ड से दूसरे वार्ड में ले जाते समय, स्ट्रेचर का बेस टूट गया, जबकि पहिया अभी भी चल रहा था। पहले से ही दर्द से परेशान मरीज़ को स्ट्रेचर

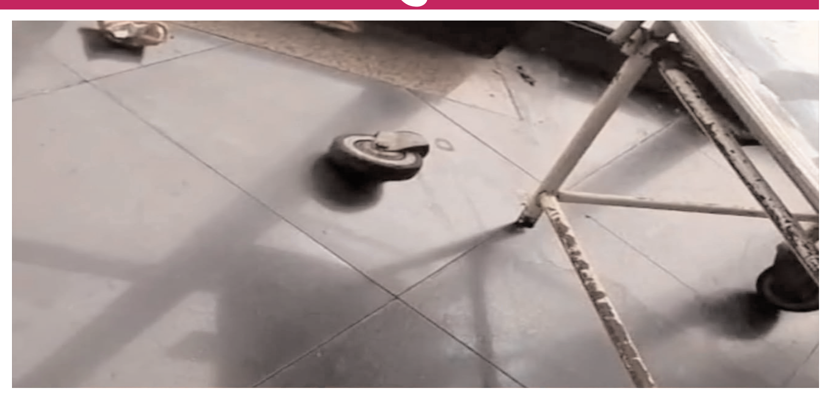

टूटने से और चोट लगने का डर था, जिससे घरवालों में बहुत गुस्सा था। हॉस्पिटल में इक्विपमेंट और सामान के मेंटेनेंस पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, फिर भी मरीज़ों को खराब स्ट्रेचर पर हॉस्पिटल में घूमना पड़ रहा है। वडोदरा के लोग अब गोत्री तस्ब्धक्र के अधिकारियों और एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ खुलकर अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। लोग ऐसे सवाल पूछ रहे हैंः

क्या एडमिनिस्ट्रेशन जागेगा या किसी के मरने का इंतज़ार करेगा?

इस घटना ने वडोदरा के सरकारी हेल्थ सिस्टम में फैले करप्शन को सामने ला दिया है। सरकारी कागज़ों पर हमेशा 'सब सुरक्षित' दिखाने वाला हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन इस घटना के बाद भी चुप बैठा है। लोगों की मांग है कि गोत्री तस्ब्धक्र में इतनी बड़ी लापरवाही के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए और सभी टूटे हुए इक्विपमेंट तुरंत बदले जाएं। अगर एडमिनिस्ट्रेशन समय पर नहीं जागा, तो आने वाले दिनों में यह हॉस्पिटल मरीज़ों के इलाज का सेंटर नहीं बल्कि हादसों की जगह बन जाएगा!

NEET पेपर लीक केस में पहले दिन सुनवाई टलने से जस्टिस सिस्टम पर गंभीर सवाल उठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश के लाखों स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के भविष्य से जुड़े विवादित NEET पेपर लीक केस में इंसाफ की उम्मीद लगाए बैठे देशवासियों को पहले ही दिन बड़ा झटका लगा है। पेपर लीक जैसे गंभीर और सेंसिटिव केस को जल्दी निपटाने के मकसद से स्पेशल 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' बनाया गया था। लेकिन बदकिस्मती से, जिस कोर्ट से 'सुपरफास्ट' इंसाफ की उम्मीद थी, उसे पहले ही दिन सुनवाई टालनी पड़ी! CBI की तरफ से कोई वकील मौजूद न होने की वजह से कोर्ट को यह सुनवाई 3 अगस्त तक टालनी पड़ी। इस घटना ने एक बार फिर देश के फास्ट ट्रैक सिस्टम और सरकारी जांच एजेंसियों की गंभीरता पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। एक तरफ सरकार देश में गंभीर अपराधों और संवेदनशील मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। NEET जैसे देशव्यापी घोटाले में CBI जैसे बड़े सिस्टम के किसी वकील का पहली सुनवाई में मौजूद न होना सिस्टम की बड़ी लापरवाही दिखाता है जब देश का युवा पेपर लीक जैसे मामलों में न्याय की भीख मांगते हुए सड़कों पर उतर रहा है, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट की ऐसी ढीली नीतियां और नियम जनता का गुस्सा दोगुना कर रहे हैं। लोग अब खुलकर सवाल पूछ रहे हैं NEET पेपर लीक मामले की पहली सुनवाई का टलना यह साबित करता है कि सिर्फ़ 'फास्ट ट्रैक' नाम देने से सिस्टम तेज़ नहीं होता। जब तक कानूनी प्रक्रिया से अंदरूनी ढिलाई, वकीलों की गैर-मौजूदगी और तारीख पर तारीख देने की सोच दूर नहीं होती, तब तक 'फास्ट जस्टिस' आम नागरिक के लिए सिर्फ़ एक सपना ही रहेगा। अब पूरे देश की नज़रें आने वाली 3 अगस्त पर टिकी हैं। अब देखना यह है कि CBI और फास्ट ट्रैक कोर्ट आने वाली सुनवाई में वाकई अच्छा काम करते हैं या फिर एक बार फिर तारीख देकर लाखों स्टूडेंट्स की उम्मीदों पर पानी फेर दिया जाता है!

जमानत शर्तों और विरोध के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जवल भुइयां की तीखी टिप्पणी

'गंगा नदी में बिरयानी खाना कोई अपराध नहीं है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली /अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने देश में नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार और जमानत देते समय अदालतों द्वारा लगाई गई कड़ी शर्तों पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और आंखें खोलने वाला बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि लोकतंत्र में असहमति की अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों की मौलिक स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। हालाँकि, आजकल सामान्य सार्वजनिक गतिविधियों को भी कानूनी अपराध की श्रेणी में रखकर नागरिकों के अधिकारों पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा है।

'गंगा में चिकन बिरयानी खाना कोई अपराध नहीं '

न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने अपने संबोधन में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी करने वाले युवाओं के विवादास्पद मामले का जिक्र किया। उन्होंने मामले में युवक को लंबी जमानत नहीं देने के फैसले पर सवाल उठाते हुए टिप्पणी कीः **कोई कानून नहीं:** ''देश में ऐसा कोई कानून नहीं है जो गंगा नदी में चिकन बिरयानी खाने पर रोक लगाता हो।''

महीनों की कैद: युवाओं को ऐसी गतिविधि के लिए गिरफ्तार करके लगभग तीन महीने तक जेल में क्यों रखा जाता है जो कानूनी रूप से अपराध नहीं है?

कड़ी जमानत शर्तों पर आपत्तिः स्वतंत्रता पर सीधा हमला

न्यायमूर्ति भुइयां ने जमानत देते समय अदालतों द्वारा लगाई गई शर्तों पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की, जो सीधे व्यक्ति की मौलिक स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं। **सोशल मीडिया पर प्रतिबंध:** मंत्री की टिप्पणी के खिलाफ पोस्ट करने वाले एक व्यक्ति के मामले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जमानत देते समय पासपोर्ट जमा कराना और सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट नहीं करने की शर्त लगाना अभिव्यक्ति की आजादी छीनने जैसा है. गुलफिशा मामला और छात्रः दिल्ली दंगा मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जेल में रखने के बाद जमानत देते हुए युवा छात्र कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करने या सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने से रोक दिया गया था।

'लोकतंत्र में असहमति ही मजबूती की बुनियाद है '

न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने चिंता व्यक्त की कि भारत में विभिन्न विचारधाराओं को व्यक्त करने के लिए सार्वजनिक स्थान और मंच लगातार कम हो रहे हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले छात्रों को गिरफ्तार कर लिया जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसी कठोर शर्तें और आदेश नागरिकों को यह संदेश दे रहे हैं कि उन्हें सार्वजनिक जीवन और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक गतिविधियों से दूर रहना चाहिए। लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए बहस, संवाद और असहमति जरूरी है, लेकिन आम जनता को कानून के शिकंजे में फंसाकर उनकी आजादी छीन लेना लोकतंत्र की बुनियाद के लिए खतरनाक है।

एक तरफ सफाई पर प्रवचन, दूसरी तरफ सरेआम कचरे का पहाड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। मेरा शहर, मेरी ज़िम्मेदारी' जैसे बड़े-बड़े नारों और सफाई अभियान के फ्लेक्स बैनरों के बीच, नडियाद शहर से एक आंखें खोलने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है। नडियाद के MLA पंकजभाई देसाई शहर को सुंदर और साफ-सुथरा बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय नागरिकों की लापरवाही के कारण उनकी सारी कोशिशें नाकाम हो रही हैं। नडियाद के माई मंदिर गरनाला के पास सरेआम कचरा फेंककर गंदगी का साम्राज्य बनाने वाले एक शख्स को कैमरे में और स्थानीय लोगों के सामने रंगे हाथों पकड़ा गया है!

नागरिकों की विजिलेंट सिस्टम पर इतनी निर्भरता क्यों है?

एक तरफ नडियाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन और ख्रशहर को सुंदर बनाने के लिए करोड़ों के खर्च से कैंपेन चला रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उसी शहर के कुछ गैर-ज़िम्मेदार लोग पब्लिक सड़कों और पवित्र जगहों के पास कचरा फेंककर पूरे शहर की सुंदरता खराब कर रहे हैं।

माई मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों के पास गंदगी: जिन नालियों से रोज़ हज़ारों भक्त और नागरिक गुज़रते हैं, उनमें बेशर्मी से कचरा डाला जा रहा है।

नियमों का उल्लंघन: एडमिनिस्ट्रेशन की बार-बार अपील के बावजूद, कुछ लोगों की ऐसी सोच की वजह से पूरा शहर महामारी की तरफ़ धकेला जा रहा है।

सवाल वही है... क्या यह सिर्फ़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ज़िम्मेदारी है?

अरे नडियाद के लोगों! जागो! क्या शहर को साफ़ रखना सिर्फ़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफ़ाई कर्मचारियों या MLA की ज़िम्मेदारी है? हम खुद कब ज़िम्मेदार नागरिक बनेंगे? घटना के दौरान पकड़े गए लोगों की वजह से पूरे इलाके में बहुत गुस्सा है। नडियाद के बुद्धिजीवी वर्ग की बस यही मांग है कि शहर के ऐसे लापरवाह और बदनाम करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अगर हम अपने घरों को ही साफ नहीं रखेंगे तो चाहे कितने भी मंत्री या ख्रझाड़ू उठा लें, नडियाद कभी साफ नहीं होगा! अब समय आ गया है कि हर नडियाद वासी अपनी ज़िम्मेदारी समझे और गंदगी फैलाने वाले ऐसे लोगों का खुलकर विरोध करे!

संक्षिप्त न्यूज

धर्मेंद्र प्रधान के बाद अब नितिन गडकरी के इस्तीफे की मांग तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। E20 इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति को लेकर विरोध तेज हो गया है। 'E20 जनता पार्टी' ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि इस नीति से वाहन चालकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और पुरानी गाड़ियों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। पार्टी ने सरकार E20 नीति की समीक्षा करने और वाहन मालिकों के हित में निर्णय लेने की मांग की है।

चैतर वसावा के समर्थन में AAP की जनसभा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा। आम आदमी पार्टी ने विधायक चैतर वसावा के समर्थन में बड़ी जनसभा आयोजित की, जिसमें प्रदेश नेता गोपाल इटालिया और संगठन महासचिव मनोज सोरठिया शामिल हुए। सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। नेताओं ने कहा कि पार्टी चैतर वसावा के साथ मजबूती से खड़ी है और आदिवासी व आम जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी। जनसभा को प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

अहमदाबाद के गोमतीपुर में बिजली के खंभे पर चढ़ा युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गोमतीपुर क्षेत्र में एक युवक बिजली के खंभे पर चढ़कर ट्रांसफार्मर के पास पहुंच गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बिजली कंपनी ने एहतियातन बिजली सप्लाई बंद की और फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। युवक के खंभे पर चढ़ने के कारणों की जांच पुलिस कर रही है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कीर्ति पटेल का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक, कई मामलों को लेकर चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कीर्ति पटेल का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक किए जाने की खबर सामने आई है। उनके खिलाफ पहले से विभिन्न पुलिस थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सार्वजनिक रिकॉर्ड में मौजूद है। हालांकि, इन मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रिया जारी है तथा आरोप अभी न्यायालय में सिद्ध होना बाकी हैं। अधिकारियों की ओर से अकाउंट ब्लॉक किए जाने के कारणों पर विस्तृत आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

अहमदाबाद के हेरिटेज एरिया ढलनी पोल में बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. कोट इलाके के ऐतिहासिक और घनी आबादी वाले ढलनी पोल इलाके से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। भारी मॉनसून बारिश और नमी की वजह से ढलनी पोल की 'अपर स्ट्रीट' में मौजूद एक पुराना मकान अचानक धमाके के साथ गिर गया। घटना के बाद पोल के लोगों में काफी अफरा-तफरी और हंगामा मच गया। अच्छी बात यह रही कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है क्योंकि घटना के समय घर के अंदर या आसपास कोई मौजूद नहीं था, लेकिन मलबा घर के पास खड़ी दोपहिया गाड़ियों पर गिर गया, जिससे गाड़ियां कुचल गईं और भारी नुकसान हुआ।"से ही बिल्डिंग गिरी, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) की मिडिल ज़ोन एस्टेट डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी: आगे कोई अनहोनी न हो, इसके लिए पुलिस और नगर निगम की टीम ने सुरक्षा के तौर पर पूरे अपर स्ट्रीट इलाके को बैरिकेड लगाकर घेर लिया है। युद्धस्तर पर काम: चूंकि गिरी हुई बिल्डिंग का बचा हुआ खतरनाक और झुका हुआ हिस्सा कभी भी गिर सकता है, इसलिए एस्टेट टीम ने इसे युद्धस्तर पर हटाने का काम शुरू कर दिया है। कोट इलाके के सैकड़ों पोलों में पुराने और जर्जर मकान हैं,, जो हर मानसून में लोगों की जान के लिए खतरा बनते हैं। ढलनी पोल पर हुई इस घटना के बाद, स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं जो हर मानसून में लोगों की जान के लिए खतरा बनते हैं। ढलनी पोल पर हुई इस घटना के बाद, स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि नगर निगम सिस्टम मानसून के दौरान सभी खतरनाक बिल्डिंगों की ठीक से जांच करे ताकि ऐसे बड़े हादसों से मासूम लोगों की जान बचाई जा सके।

राम मंदिर डोनेशन स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश: 'SIT में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट शामिल करें, 2 हफ्ते में जांच रिपोर्ट पेश करें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए देश-विदेश के करोड़ों राम भक्तों द्वारा दिए गए डोनेशन और चंदे में कथित स्कैम पर देश के सुप्रीम कोर्ट ने बहुत सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर डोनेशन स्कैम की जांच कर रही SIT को साफ तौर पर निर्देश दिया है कि अकाउंट्स की गहरी और ट्रांसपेरेंट जांच के लिए SIT टीम में एक प्रोफेशनल चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) को शामिल किया जाए और अगले 2 हफ्ते (14 दिन) में जांच की फाइनल रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश की जाए!

सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त निर्देश के बाद राम मंदिर निर्माण के नाम पर करोड़ों रुपये के गबन और ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर्स में भारी खलबली मच गई है।

आस्था से खिलवाड़ या फाइनेंशियल फ्रॉड? सुलगते सवाल!

राम मंदिर के लिए देश भर से करोड़ों भक्तों द्वारा दान किए गए रुपये के इस्तेमाल और हिसाब-किताब में गंभीर गड़बड़ियों और घोटालों का आरोप लगा है।

फाइनेंशियल गड़बड़ियों का शक: दान की रकम में करोड़ों रुपये की हेराफेरी और जमीन खरीदने से लेकर निर्माण की लागत में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल गड़बड़ियों की शिकायतें कोर्ट तक पहुंची थीं।

CA की एंट्री से खुलेगी पोल: पुलिस और जांच एजेंसियों के अलावा अब स्पेशल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की टीम बैंक अकाउंट्स, बैलेंस शीट और वाउचर की डिटेल्ड जांच करेगी, जिससे पाई-पाई का हिसाब सामने आएगा।

2 हफ्ते की डेडलाइन: सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी को बिना किसी देरी के 14 दिनों के अंदर पूरी रिपोर्ट देने का आदेश देकर मामले की गंभीरता साफ कर दी है। 'दान के नाम पर घोटाला करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो! ' देश के करोड़ों राम भक्तों की भावनाएं इस नारे से जुड़ी हैं। अगर भगवान श्री राम के नाम पर मिले दान के नाम पर भी किसी ने भ्रष्टाचार या घोटाला किया है, तो यह माफ़ न करने लायक जुर्म है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद, देश भर के नागरिक और भक्त यही मांग कर रहे हैं कि आस्था के नाम पर घोटाला करने वालों पर कानून का सख्त से सख्त चाबुक चलना चाहिए, चाहे वे कितने भी बड़े या ताकतवर क्यों न हों।

सवाल यह है... क्या 2 हफ्ते में असली चेहरे सामने आएंगे?

अब पूरे देश की नज़रें सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाली इस 2 हफ्ते की SIT रिपोर्ट पर टिकी हैं। यह तो वक्त ही बताएगा कि CA टीम द्वारा किए जाने वाले अकाउंटिंग ऑडिट में राम मंदिर डोनेशन का असली सच सामने आएगा या घोटालेबाज बच निकलेंगे!

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'गुजरात शिप बिल्डिंग एंड रिपेयर पॉलिसी-2026' लॉन्च की, IMSP पार्क और सिंगल विंडो सिस्टम से शिपिंग सेक्टर को नई तेज़ी मिलेगी

महानगर मेट्रो ब्यूर

गांधीनगर। राज्य सरकार ने देश के सबसे लंबे कोस्टलाइन वाले गुजरात को ग्लोबल शिप बिल्डिंग और रिपेयर हब बनाने के इरादे से एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। गांधीनगर में, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने बड़े पैमाने पर महत्वाकांक्षी 'गुजरात शिप बिल्डिंग एंड रिपेयर पॉलिसी-2026' लॉन्च की है जो देश के पूरे शिप बिल्डिंग सेक्टर को एक नई दिशा देगी। इस नई पॉलिसी का मुख्य मकसद राज्य में मॉडर्न मरीन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्किल डेवलपमेंट और ग्रीन और स्मार्ट शिपयार्ड का एक फ्यूचरिस्टिक इको-सिस्टम बनाना है। आत्मनिर्भर भारत और 'मैरीटाइम विज़न 2047' को मिलेगी रफ़्तार मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि यह नई शिपबिल्डिंग पॉलिसी पूरी

तरह से केंद्र सरकार की 'शिप बिल्डिंग फ़ाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम-2025' 'मैरीटाइम विज़न 2047' के साथ-साथ प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के बड़े लक्ष्य के मुताबिक है।

इंटीग्रेटेड मेगा शिप बिल्डिंग पार्क: इस नई पॉलिसी का सबसे बड़ा आकर्षण IMSP' की स्थापना है। इस पार्क को वर्ल्ड-क्लास मैरीटाइम इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम के तौर पर डेवलप किया जाएगा।

वर्ल्ड-क्लास सुविधाएँ: इस मेगा पार्क में मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएँ, मरीन इक्विपमेंट क्लस्टर, एडवांस्ड टेस्टिंग सुविधाएँ, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, R&D सेंटर और स्किल डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट शामिल होंगे।

इंडस्ट्रीज़ के लिए ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस: सिंगल विंडो क्लियरेंस

सरकार ने यह पक्का करने के लिए खास इंतज़ाम किए हैं कि इन्वेस्टर्स और इंडस्ट्रियलिस्ट्स को बिना किसी पेपरवर्क या प्रोसेस की रुकावट के जल्दी अप्रूवल मिल जाए। जल्दी मंज़ूरी: पॉलिसी के तहत सभी ज़रूरी मंज़ूरियों के लिए एक 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम' लागू किया जाएगा, ताकि प्रोजेक्ट समय पर पूरे हो सकें।

शिकायत सुलझाने का सिस्टम: इन्वेस्टर्स के सवालों और समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए एक खास शिकायत सुलझाने का सिस्टम भी बनाया जाएगा। इस नई शिप बिल्डिंग और रिपेयर पॉलिसी-2026 के ज़रिए गुजरात में रोज़गार के हज़ारों नए मौके बनेंगे और समुद्री सेक्टर में करोड़ों रुपये का निवेश होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस मास्टरस्ट्रोक से गुजरात देश की 'ब्लू इकॉनमी' की मुख्य ड्राइविंग फ़ोर्स बनकर उभरेगा।

सूरत में BRTS ड्राइवर की बड़ी लापरवाही, LIVE VIDEO वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत । डायमंड सिटी सूरत में एक बहुत ही चौंकाने वाली और दर्दनाक घटना सामने आई है, मानो ड्राइवरों को पैसेंजर की जान की कोई कीमत नहीं है। सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तथाकथित हाई-टेक BRTS बस के लापरवाह ड्राइवर के सीन CCTV/कैमरों में कैद हो गए हैं। पैसेंजर बस स्टॉप पर बस में चढ़ ही रहे थे, तभी ड्राइवर ने अचानक दरवाजा बंद किया और बस को धक्का देकर भगा दिया!

जैसे ही इस गंभीर घटना का भयानक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और बस ऑपरेटरों के खिलाफ नागरिकों में भारी गुस्सा है।

बुजुर्ग आदमी सड़क पर 2 से 3 फीट तक घसीटा गया: एक बड़ा हादसा बाल-बाल बचा!

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पैसेंजर बस स्टॉप पर बस में चढ़ने की प्रैक्टिस कर रहे थे। इसी बीच, एक बुज़ुर्ग बस में चढ़ने ही वाला था कि लापरवाह ड्राइवर ने उसे समय दिए बिना ऑटोमैटिक दरवाज़ा बंद कर दिया।

दरवाज़े में फंसा हाथ: दरवाज़ा बंद होते ही बुज़ुर्ग का हाथ अंदर फंस गया।

सड़क पर घिसटता गया: ड्राइवर ने बिना पीछे देखे बस को आगे बढ़ा दिया, जिससे बुज़ुर्ग 2 से 3 फ़ीट तक सड़क पर घिसटता चला गया।

दो युवक सिर के बल गिरे: बस के अचानक आगे बढ़ने पर बस में चढ़ रहे दो और युवक भी बुज़ुर्ग के सिर पर गिर पड़े!

यात्रियों की जान खतरे में: बस में और स्टेशन पर मौजूद लोगों की चीख-पुकार के बाद, ड्राइवर ने आखिरकार बस रोक दी, जिससे बुज़ुर्ग की जान बच गई।

सवाल यह है... इन 'यमदूत' बस ड्राइवरों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई कब होगी?

सूरत BRTS ड्राइवरों की ऐसी दादागिरी और लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है। नगर निगम और एजेंसियों के भ्रष्ट एडमिनिस्ट्रेटर के बीच साठगांठ के कारण आम नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं। सूरत के लोग अब ये सवाल पूछ रहे हैं:

1. क्या ड्राइवरों को टारगेट पूरा करने में मुश्किल होती है या उन्हें यात्रियों की जान से खेलने की इजाज़त है?
2. सड़क पर घसीटे जा रहे एक बुज़ुर्ग आदमी का वीडियो सबूतों के साथ सामने आया है, फिर भी क्या नगर निगम प्रशासन इस ड्राइवर के खिलाफ़ पुलिस में शिकायत दर्ज करके उसे जेल भेजेगा या सिर्फ़ एक कागज़ का नोटिस देकर मामला निपटा देगा?

सरेआम हुई इस घटना से सूरत के लोगों में बहुत गुस्सा है। लोगों की मांग है कि ऐसे कातिल ड्राइवर का लाइसेंस कैंसिल करके उसके खिलाफ़ केस दर्ज किया जाए और जिस एजेंसी के तहत यह बस चलती है, उस पर भारी जुर्माना लगाया जाए।

गुजरात में एक साथ 5 वेदर सिस्टम एक्टिव: मेघराजा का तांडव, अहमदाबाद समेत 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। राज्य में मानसून के पूरे परवान पर पहुंचने के साथ ही मेघराजा ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया है। मौसम विभाग की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, एक साथ 5 अलग-अलग वेदर सिस्टम के एक्टिव होने से पूरे गुजरात में भारी से बहुत भारी बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। मेघतांडव की गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अहमदाबाद समेत राज्य के 17 जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' घोषित कर दिया है। आसमानी आफत के कारण राज्य के निचले इलाके, नदियां-नहरें और आम सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिससे आम जनजीवन पर काफी असर पड़ा है। बावला में ढींगडा के पास NDRF का रेस्क्यू यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया अहमदाबाद जिले के बावला तालुका में ढींगडा गांव के पास भारी बारिश और पानी भरने के बीच एक गंभीर घटना सामने आई।

पानी की धारा में फंसी बस: ढींगडा के पास सड़क से गुजर रही एक बस अचानक पानी की तेज धारा में फंस गई, जिससे बस में सवार यात्रियों की सांसें फूल गईं।

NDRF टीम का तुरंत एक्शन: घटना की सूचना मिलते ही NDRF टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत और बचाव का काम किया। नावों और एडवांस इक्विपमेंट की मदद से बस में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया।

17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट: सिस्टम हाई अलर्ट पर

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, अगले 24 से 48 घंटों में राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत ज़्यादा संभावना है। प्रभावित इलाके: अहमदाबाद, वडोदरा, आणंद, खेड़ा, पंचमहल, भरूच, सूरत और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों समेत कुल 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

सिस्टम तैयार: सभी जिला कलेक्टरों और डिजास्टर मैनेजमेंट टीमों को हेडक्वार्टर न छोड़ने और निचले इलाकों पर लगातार नज़र रखने का निर्देश दिया गया है। NDRF और SDRF टीमों को स्टैंडबाय मोड पर रखा गया है। राज्य में बाढ़ और जलभराव की खतरनाक स्थिति को देखते हुए, प्रशासन ने नागरिकों से सावधान रहने की अपील की है। नदी के किनारे न जाने, जलभराव वाले पानी से गाड़ी न गुजारने और इमरजेंसी को छोड़कर घर से बाहर न निकलने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। अब देखना यह है कि लगातार हो रही बारिश के बीच स्थानीय प्रशासन कितनी तेज़ी से स्थिति को कंट्रोल करने के लिए काम करता है!

30 जुलाई को पब्लिक हॉलिडे घोषित, कर्मयोगी उत्साह से वोट कर सकेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा शहर की पॉपुलर 145-मंजलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर एडमिनिस्ट्रेशन ने एक अहम फैसला लिया है। अगली तारीख गुरुवार, 30 जुलाई, 2026 को वोटिंग होनी है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा नागरिक और कर्मयोगी लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने वोट का इस्तेमाल कर सकें, इसके लिए 30 जुलाई को मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र में पब्लिक हॉलिडे रहेगा। इस फैसले से इलाके के सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले वोटर्स को वोट डालने में आसानी होगी। 'द नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881' के तहत छुट्टी घोषित सरकारी जानकारी के अनुसार, यह खास छुट्टी'द नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881' के तहत छुट्टी घोषित सरकारी जानकारी के अनुसार, यह खास छुट्टी इसलिए घोषित की गई है ताकि मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र के सरकारी, सेमी-गवर्नमेंट, बैंक और प्राइवेट संस्थानों में काम करने वाले सभी कर्मचारी द नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 के अनुसार अपने वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल बिना किसी रुकावट के और आज़ादी से कर सकें।

वोट का अधिकार पक्का करना: प्रशासन ने यह आदेश इसलिए जारी किया है ताकि कोई भी कर्मचारी या वर्कर अपने वोट के अधिकार से वंचित न रहे। ज़्यादा से ज़्यादा वोटिंग पर ज़ोर: प्रशासन ने मंजलपुर इलाके के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस त्योहार में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और 100 परसेंट वोट करें। दूसरी ओर, 30 जुलाई को होने वाले इस उपचुनाव को लेकर मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। सभी पार्टियां अपने उम्मीदवार को जिताने की पूरी कोशिश कर रही हैं। उम्मीद है

भारी बारिश से प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए राहत की खबर: स्टेट स्कूल टेक्स्टबुक बोर्ड का बड़ा और सेंसिटिव फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में हाल ही में हुई भारी से बहुत भारी बारिश की वजह से कई इलाकों में वॉटर-बॉम्बिंग की स्थिति बन गई थी। इस प्राकृतिक आपदा में बाढ़ की वजह से कई परिवारों के घरों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई की किताबें, टेक्स्टबुक्स और स्टेशनरी भी बर्बाद हो गई। इस मुश्किल हालात में, स्टेट स्कूल टेक्स्टबुक बोर्ड ने स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान न हो और उन पर कोई फाइनेंशियल बोझ न पड़े, यह पक्का करने के लिए बहुत ही सराहनीय और सेंसिटिव फैसला लिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि भारी बारिश से प्रभावित सभी स्टूडेंट्स को नई टेक्स्टबुक्स पूरी तरह से फ्री में दी जाएंगी भारी बारिश की वजह से, खासकर ग्रामीण और निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में, एजुकेशन डिपार्टमेंट और टेक्स्टबुक बोर्ड तुरंत एक्शन मोड में आ गए हैं ताकि बच्चों की पढ़ाई रुके नहीं। बिना पढ़ाई बर्बाद किए तुरंत मदद: जिन स्टूडेंट्स की किताबें बाढ़ में भीग गई हैं या फट गई हैं, उन्हें स्कूल की तरफ से तुरंत नई टेक्स्टबुक्स का एक सेट दिया जाएगा। बोर्ड का यह फैसला एक तरह से वरदान साबित होगा क्योंकि इससे उन पेरेंट्स पर नई किताबें खरीदने का एक्स्ट्रा बोझ नहीं पड़ेगा जो इस प्राकृतिक आपदा से आर्थिक रूप से प्रभावित हुए हैं। राज्य भर के पेरेंट्स और टीचर्स स्टेट स्कूल टेक्स्टबुक बोर्ड के इस इंसानियत भरे फैसले की तारीफ कर रहे हैं। भारी बारिश की मुश्किलों के बीच, इस फैसले से प्रभावित बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और स्कूलों को भी प्रभावित बच्चों की लिस्ट बनाने और उन्हें जल्द से जल्द नई टेक्स्टबुक्स पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। टेक्स्टबुक बोर्ड का यह कदम साबित करता है कि आपदा के समय में सरकार शिक्षा और स्टूडेंट्स के भविष्य को लेकर कितनी सीरियस और कमिटेड है!

एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स के लिए नंदन नीलेकणि की लीडरशिप में 'हाई-पावर्ड टास्क फोर्स' का गठन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश भर में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित एग्जामिनेशन में हुई गड़बड़ियों और लीक स्कैंडल्स के बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर से पॉलिटिकल और एजुकेशनल सेक्टर में बड़ा भूचाल आ गया। इस हालात के बीच, केंद्र की मोदी सरकार ने भारत में एग्जामिनेशन सिस्टम को ट्रांसपेरेंट, मॉडर्न और टेक्नोलॉजी-बेस्ड बनाने के लिए एक बहुत ही अहम फैसला लिया है। सरकार ने पूरे एग्जामिनेशन सिस्टम में बड़े बदलाव के लिए देश के IT के पुराने और टेक्नोक्रेट नंदन नीलेकणि की लीडरशिप में एक 'हाई-पावर्ड टास्क फोर्स' के गठन का ऐलान किया है। तो फिर यह स्वाभाविक सवाल उठता है कि नंदन नीलेकणि कौन हैं, जिन्हें देश के इतने बड़े और सेंसिटिव मिशन के लिए चुना गया है? नंदन नीलेकणि भारतीय IT सेक्टर में एक ऐसा नाम हैं जिन्होंने टेक्नोलॉजी के ज़रिए करोड़ों भारतीय नागरिकों की ज़िंदगी बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इंफोसिस के को-फ़ाउंडर: वे देश की बड़ी IT कंपनी 'इंफोसिस' के को-फ़ाउंडर थे और कंपनी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर भी रहे। 'आधार' प्रोजेक्ट के मास्टरमाइंड 'यूनिक आइडेंटिफ़िकेशन अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया' के पहले चेयरमैन के तौर पर, जो करोड़ों भारतीय नागरिकों की पहचान है, उन्होंने आधार कार्ड प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक लीड किया। डिजिटल पेमेंट सिस्टम से लेकर भारत में टेक्नोलॉजी-बेस्ड सरकारी स्कीमों के फ्रेमवर्क तक, उनके योगदान को बेमिसाल माना जाता है। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन उनकी

पहचान एक 'टेक्नोक्रेट' के तौर पर ही रही!m नंदन नीलेकणि का पॉलिटिकल बैकग्राउंड भी दिलचस्प रहा है। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों में एक्टिव पॉलिटिक्स में एंट्री की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की तरफ से बेंगलुरु साउथ सीट से BJP के दिग्गज नेता अनंत कुमार के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि, उस चुनाव में उन्हें हार मिली थी। उसके बाद उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली और अपना ध्यान फिर से टेक्नोलॉजी और सोशल सेक्टर पर लगाया। सरकार का मानना है कि अगर देश के करोड़ों स्टूडेंट्स का भविष्य तय करने वाली परीक्षाओं में एडवांस्ड डिजिटल सिक्योरिटी, AI और मजबूत टेक्निकल सिस्टम लाए जाएं, तो इंसानी दखल कम करके पेपर लीक और सेकेंडरी परीक्षा में होने वाली गड़बड़ियों को हमेशा के लिए रोका जा सकता है। नंदन नीलेकणि को स्केल और सिक्योरिटी में दशकों का अनुभव है। यह हाई-पावर्ड टास्क फोर्स अब देश के पूरे परीक्षा सिस्टम को लीक-प्रूफ और ट्रांसपेरेंट बनाने के लिए एक नया रोडमैप तैयार करेगी। अब देश भर के स्टूडेंट्स और पेरेंट्स की निगाहें इस बात पर हैं

मीराबाई ने रचा इतिहास, खेल महाशक्ति बनने की दस्तक

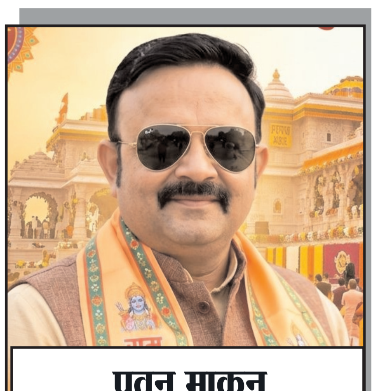

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कुमार कृष्णन

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

खेलों के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो केवल पदकों की संख्या से नहीं, बल्कि अपने सांकेतिक महत्व से याद रखे जाते हैं। वे किसी खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि से आगे बढ़कर पूरे राष्ट्र के आत्मविश्वास, उसकी सामूहिक आकांक्षाओं और भविष्य की दिशा का संकेत बन जाते हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का स्वर्ण पदक ऐसा ही एक क्षण है। महिलाओं की 48 किलोग्राम स्पर्धा में 190 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने केवल स्वर्ण पदक ही नहीं जीता, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय खेल अब प्रतिभा के भरोसे नहीं, बल्कि निरंतरता, वैज्ञानिक तैयारी और अदम्य आत्मविश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

ग्लासगो में भारत के अभियान की शुरूआत जिस अंदाज में हुई, उसने यह संदेश दिया कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत अब केवल पदक तालिका में सम्मानजनक स्थान पाने का लक्ष्य लेकर नहीं उतरता, बल्कि अनेक स्पधाओं में प्रभुत्व स्थापित करने की क्षमता विकसित कर चुका है। भारोत्तोलन में पहले ही दिन स्वर्ण और दो रजत पदक इस विश्वास को और मजबूत करते हैं।

मीराबाई चानू ने स्नैच में 85 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम भार उठाकर कुल 190 किलोग्राम का स्कोर बनाया। यह केवल स्वर्ण जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पूरे 22 किलोग्राम अधिक वजन उठाकर अपनी श्रेष्ठता निर्विवाद रूप से स्थापित कर दी। खेलों की दुनिया में ऐसी जीतें बहुत कम देखने को मिलती हैं, जहां विजेता और दूसरे स्थान के बीच इतना बड़ा अंतर हो। यह अंतर केवल ताकत का नहीं, बल्कि तैयारी, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का भी होता है।

इस स्वर्ण के साथ मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर एक नई मिसाल कायम की। किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बार चैंपियन बनना कठिन होता है, लेकिन वर्षों तक अपने प्रदर्शन को उसी स्तर पर बनाए रखना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। खेल इतिहास बताता है कि महान खिलाड़ी वही कहलाते हैं जो समय के साथ स्वयं को बार-बार साबित करते हैं। मीराबाई अब उसी श्रेणी में खड़ी दिखाई देती हैं।

उनकी यात्रा भारतीय खेलों की सबसे प्रेरक यात्राओं में से एक है। मणिपुर के छोटे से गांव नोंगपोक काकचिंग में जन्मी यह बेटी बचपन में सिर पर लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाती थी। शायद उसी कठिन जीवन ने उनके कंधों को वह मजबूती दी, जिसने आगे चलकर विश्व मंच पर भारत का भार उठाने की क्षमता पैदा की। आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों, चोटों और असफलताओं के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। टोक्यो ओलंपिक का रजत पदक हो या विश्व चैंपियनशिप में सफलता–हर उपलब्धि के पीछे वर्षों का मौन संघर्ष छिपा हुआ है।

मीराबाई की जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय महिला खेल आंदोलन की भी बड़ी सफलता है। कभी खेलों में महिलाओं की भागीदारी अपवाद मानी जाती थी। आज पी. वी. सिंधु, निकहत जरीन, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहैन और मीराबाई चानू जैसी खिलाड़ी भारतीय खेलों की पहचान बन चुकी हैं। यह परिवर्तन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं है; यह भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति बदलती सोच और बढ़ते आत्मविश्वास का भी प्रमाण है।

ग्लासगो में भारत की सफलता केवल मीराबाई तक सीमित नहीं रही। पुरुषों की 60 किलोग्राम स्पर्धा में चनामबम ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक जीतकर भारतीय अभियान को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कुल 264 किलोग्राम वजन उठाया और स्नैच में 121 किलोग्राम का भार उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रिकॉर्ड केवल जीत का प्रमाण नहीं होते, वे यह बताते हैं कि खिलाड़ी प्रतियोगिता के मानकों को बदलने की क्षमता रखता है।

ऋषिकांत सिंह का प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारतीय भारोत्तोलन में प्रतिभाओं की नई पीढ़ी तैयार हो चुकी है। अब भारत की सफलता किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। यह एक स्वस्थ खेल संस्कृति की पहचान है, जहां लगातार नए खिलाड़ी सामने आते हैं और अनुभवी खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाते हैं।

इसी क्रम में राजा मुथुपंडी ने पुरुषों की 65 किलोग्राम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के खाते में एक और सफलता जोड़ दी। तीन पदकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारोत्तोलन अब भारत के लिए सबसे भरोसेमंद खेलों में शामिल हो चुका है। कभी यह खेल डोपिंग विवादों और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण चर्चा में रहता था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ पर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान, बेहतर निगरानी और खिलाड़ियों के अनुशासन ने इस खेल की तस्वीर बदल दी है। ग्लासगो की सफलता उसी परिवर्तन की कहानी है।

भारतीय दल के लिए यह भी उत्साहजनक रहा कि पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर यह साबित किया कि भारत का पैरा खेल आंदोलन भी निरंतर मजबूत हो रहा है। यह उपलब्धि बताती है कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति और अदम्य संकल्प का भी नाम है।

इन सफलताओं का एक महत्वपूर्ण सामाजिक आयाम भी है। मीराबाई चानू और ऋषिकांत सिंह दोनों मणिपुर से आते हैं। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय से देश को उत्कृष्ट खिलाड़ी देता रहा है। मुक्केबाजी में मैरी कॉम, भारोत्तोलन में मीराबाई और अब ऋषिकांत जैसे खिलाड़ी बताते हैं कि यह क्षेत्र भारतीय खेलों की नई ऊर्जा का स्रोत है। दुर्भाग्य से यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास और खेल सुविधाओं के मामले में उपेक्षित रहा। फिर भी वहां की प्रतिभाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर मिलने पर वे विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर सकती हैं। यह सरकारों के लिए भी संदेश है कि खेल अवसंरचना का विस्तार केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। भारतीय खेलों का परिदृश्य पिछले एक दशक में तेजी से बदला है। कभी क्रिकेट ही राष्ट्रीय खेल चेतना का पर्याय बन गया था, लेकिन अब बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, हॉकी और भारोत्तोलन जैसे खेल भी व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर रहे हैं। यह परिवर्तन स्वस्थ लोकतांत्रिक खेल संस्कृति का संकेत है। जब किसी देश में अनेक खेलों के खिलाड़ी राष्ट्रीय नायक बनने लगते हैं, तब समझना चाहिए कि वहां खेलों की जड़ें गहरी हो रही हैं।

हालांकि इन सफलताओं के बीच कुछ गंभीर प्रश्न भी हैं। भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश के लिए खेल अवसंरचना अभी भी अपर्याप्त है। गांवों और छोटे कस्बों में प्रतिभाओं की पहचान की व्यवस्था कमजोर है। प्रशिक्षकों की कमी, खेल विज्ञान का सीमित उपयोग, पोषण संबंधी असमानताएं और खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं। यदि भारत वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो इन चुनौतियों का समाधान करना होगा। यह भी याद रखना होगा कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता महत्वपूर्ण अवश्य है, लेकिन अंतिम कसौटी ओलंपिक है। विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होता है। इसलिए ग्लासगो के पदकों को उपलब्धि के साथ-साथ भविष्य की तैयारी के रूप में भी देखना चाहिए। मीराबाई स्वयं इस बात का उदाहरण हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों की सफलता को ओलंपिक पदक में कैसे बदला जा सकता है। भारत आज 2036 ओलंपिक की मेजबानी का सपना देख रहा है। यदि यह सपना साकार होता है तो केवल आधुनिक स्टेडियम पर्याप्त नहीं होंगे। हमें लाखों बच्चों के भीतर खेल संस्कृति विकसित करनी होगी। विद्यालयों में खेल को परीक्षा जितना महत्व देना होगा। माता-पिता को भी यह स्वीकार करना होगा कि खेल केवल शौक नहीं, बल्कि सम्मानजनक पेशा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है।

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं होते। वे समाज को अनुशासन, परिश्रम, टीम भावना और असफलताओं से जूझने का साहस सिखाते हैं। ऐसे समय में जब युवा पीढ़ी डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताती है, खेल उन्हें शारीरिक और मानसिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इसलिए खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

ग्लासगो में जब मीराबाई चानू के सम्मान में तिरंगा सबसे ऊपर लहराया और राष्ट्रगान की धुन गूंजी, तब वह केवल एक खिलाड़ी की जीत का क्षण नहीं था। वह उन लाखों भारतीय बच्चों के सपनों का भी उत्सव था जो छोटे-छोटे गांवों, पहाड़ों और कस्बों से निकलकर एक दिन विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

मीराबाई चानू का स्वर्ण, ऋषिकांत सिंह और राजा मुथुपंडी के रजत तथा झंडू कुमार का कांस्य हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत का खेल भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इन खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं जीते, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर का संगम किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।

ग्लासगो 2026 की यह शुरूआत भारतीय खेल इतिहास में केवल पदकों के लिए याद नहीं रखी जाएगी। इसे उस क्षण के रूप में भी याद किया जाएगा, जब भारत ने दुनिया से यह कहना शुरू किया कि वह खेलों में अब संभावनाओं का नहीं, उपलब्धियों का देश है। मीराबाई चानू की स्वर्णिम मुस्कान और भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आंदोलन की कामयाबी

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने है। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों- शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला

हरित भविष्य की राहः प्रकृति संरक्षण का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने,पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है।

आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित (ेरेंल्लौंा) प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022-23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है। इतना ही नहीं,आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है।एआई और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआई के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। यदि इन बैटरियों का वैज्ञानिक ढंग से पुनर्चक्रण (रि-साइक्ल) न किया जाए, तो वे भविष्य में नए प्रकार के प्रदूषण का कारण बन सकती हैं।

ऐसे में आज जरूरत इस बात है कि हम धरती पर से सबसे पहले प्लास्टिक प्रदूषण को कम करें। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। इतना ही नहीं, हरित ऊर्जा आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों के सीमित भंडार को देखते हुए सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना समय की मांग है। हरित ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करती है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाती है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी देनी है, तो हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना और ऊर्जा की बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

अंत में यही कहूंगा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय व सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। इसके लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना, जल एवं ऊर्जा की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) अपनाना, जैव विविधता और वन्यजीवों की रक्षा करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना आवश्यक है। जब विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित होगा तथा प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति को अपना दायित्व समझेगा, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकेगी।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!ह्न झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

अनन्य शरणागतिः अतीत के बोझ से मुक्ति और ईश्वरीय कवच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भगवान को पाने के लिए पात्रता की नहीं, बल्कि केवल शुद्ध भाव की आवश्यकता है। दुनिया शायद आपकी जेब की हैसियत देखेगी, लेकिन ईश्वर हमेशा आपके हृदय की पवित्रता देखते हैं। गीता के पिछले अध्याय (अध्याय 8) में हमने देखा कि जीवन की 'अंतिम ओवर' में बैकग्राउंड ऐप की तरह ईश्वर के स्मरण से मन को कैसे स्थिर रखा जाए। लेकिन अर्जुन के मन में अभी भी एक सवाल है– 'कृष्ण, ऐसा कौन सा राजमार्ग है जिस पर चलने से इस संसार में रहते हुए भी आपकी परम शांति का अनुभव हो? अर्जुन बिना किसी कपट के, एकदम निष्छल और जिज्ञासु हैं, इसलिए कृष्ण इस 9वें अध्याय में ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य प्रकट करते हैं। इस अध्याय का नाम है 'राजविद्या राजगुह्य योग'यानी विद्याओं का राजा और रहस्यों का महा-रहस्य!

राजविद्याः परमात्मा का pen-Source' कोड

आज के जमाने में कोई बड़ी कंपनी या वैज्ञानिक अपना फार्मूला या सीक्रेट कोड किसी को नहीं देता। लेकिन कृष्ण यहाँ पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाला सीक्रेट कोड अर्जुन को (और हम सभी को) खुलेआम दे रहे हैं।

कृष्ण कहते हैं कि यह ज्ञान सर्वोच्च पवित्र है और इसका अनुभव आप प्रत्यक्ष रूप से कर सकते हैं। यह कोई केवल थ्योरी (सिद्धांत) नहीं है, बल्कि प्रैक्टिकल लाइफ साइंस (व्यावहारिक जीवन विज्ञान) है। जैसे आज के समय में Cloud Computing (जैसे Google Cloud iCloud) में करोड़ों यूज़र्स का डेटा सुरक्षित रहता है। वह डेटा कहीं हवा या स्पेस में सेव्ड (सहेजा हुआ) है, लेकिन क्लाउड खुद उस डेटा से लिप्त नहीं होता और न ही डेटा क्लाउड पर बोझ बनता है। ठीक उसी तरह, कृष्ण कहते हैं: 'यह पूरा जगत मेरे द्वारा ही विस्तारित है। सभी जीव मुझमें स्थित हैं, लेकिन मैं उनमें (या उनके कर्मों के बंधन में) बंधा हुआ नहीं हूँ। जैसे पवन सदैव आकाश में ही बहती है पर आकाश पवन से मुक्त रहता है, वैसे ही ईश्वर सृष्टि के कण-कण में होने के बावजूद इस संसार की मोह-माया से अलिप्त हैं। ' हम अक्सर भ्रमित हो जाते हैं कि इस दुनिया में इतनी बड़ी व्यवस्था इतनी परफेक्ट कैसे चलती है? सूर्य रोज़ सुबह क्यों उगता है? ऋतुएँ क्यों बदलती हैं?

कृष्ण यहाँ अपनी प्रबंधन भूमिका (Management Role) के बारे में बात करते हैं:

मयाध्यक्षेण प्रकृतिः सूयते सचराचरम्। (मेरी अध्यक्षता में ही प्रकृति इस चराचर जगत की रचना करती है।)

किसी बड़ी आईटी कंपनी के CEO खुद बैठकर कोडिंग नहीं करते और न ही ग्राउंड लेवल पर एक-एक वायर जोड़ते हैं। उनका काम है विज़न देना और सिस्टम सेट करना। उनकी उपस्थिति और गाइडलाइन्स से ही पूरी कंपनी ऑटोमैटिक मोड पर चलती है। बस, कृष्ण भी इस ब्रह्मांड के ऐसे ही 'Super CEO'हैं। उनकी सत्ता (Energy) से ही प्रकृति अपना काम पूरी तरह से ऑटोमेटेड मोड पर करती है। इस अध्याय का सबसे सुंदर और हृदयस्पर्शी श्लोक यह है। सामान्यतः हमें लगता है कि भगवान को प्रसन्न करने के लिए बहुत बड़े यज्ञ, महंगे भोग या लाखों रुपये का दान-पुण्य करना पड़ेगा। लेकिन कृष्ण इस भ्रम को एक ही झटके में तोड़ देते हैं। कृष्ण कहते हैंः पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति...

(जो कोई प्रेम और भक्ति से मुझे एक पत्ता, एक फूल, एक फल या केवल थोड़ा सा जल भी अर्पित करता है, मैं उसके उस प्रेमपूर्वक दिए गए उपहार को स्वीकार करता हूँ।) जैसे एक छोटा बच्चा अपने पिता के जन्मदिन पर अपनी गुल्लक (d) में से 10 रुपये निकालकर एक साधारण गुलाब का फूल दे, तो पिता के लिए करोड़ों रुपये के उपहार से भी ज़्यादा कीमती वह 10 रुपये का फूल होता है, क्योंकि उसमें उस बच्चे का भाव छिपा है। कृष्ण भी हमारे वही पिता हैं। उन्हें आपके 'उपहार की कीमत' नहीं चाहिए, उन्हें आपका 'भाव' चाहिए। आज के समय में हम भविष्य की चिंता में मेडिक्लेम या लाइफ इंश्योरेंस करवाते हैं। लेकिन कृष्ण इस अध्याय में दुनिया की सबसे बेस्ट सुरक्षा पॉलिसी देते हैं, जिसका प्रीमियम है 'अनन्य भक्ति'। अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते। तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्॥ वे कहते हैं किः 'जो मनुष्य अनन्य भाव से (यानी किसी अन्य विकल्प के बिना, पूर्ण विश्वास के साथ) मेरा चिंतन करते हैं, उन सदैव मुझमें एकीकृत भक्तों के योग और क्षेम (सुख-सुविधा और सुरक्षा) की ज़िम्मेदारी मैं स्वयं उठाता हूँ! ' जब आप किसी के विशेष अतिथि बनते हैं, तो वह मेज़बान एयरपोर्ट पर गाड़ी भेजने से लेकर आपके रहने और खाने की पूरी व्यवस्था खुद करता है; आपको कोई चिंता नहीं करनी पड़ती। ठीक वैसे ही, जब आप कृष्ण से जुड़ते हैं, तो इस पूरे ब्रह्मांड का स्वामी आपकी ज़िंदगी का पर्सनल केयरटेकर बन जाता है!

अतीत के बोझ से मुक्तिः नो-रेज़िग्नेशन पॉलिसी!

कृष्ण यहाँ एक बहुत बड़ा और ढांढस बँधाने वाला बयान देते हैं, जो आज के डिप्रेशन और अपराध-बोध से जूझ रहे लोगों के लिए संजीवनी के समान है। कृष्ण कहते हैं कि यदि कोई व्यक्ति अतीत में कितना भी बुरा (दुराचारी) क्यों न रहा हो, लेकिन यदि वह आज सच्चे दिल से सुधरकर मुझे समर्पित हो जाता है, तो उसे भी साधु ही मानना चाहिए, क्योंकि उसका संकल्प सही है। भगवान किसी को रिजेक्ट नहीं करते। उनके यहाँ किसी गलती के कारण स्थायी 'फायर' (नौकरी से निकालना) नहीं किया जाता। यहाँ कभी भी रि-जॉइनिंग संभव है! क्षिप्रं भवति धर्मात्मा शश्वच्छान्तिं निगच्छति। कौन्तेय प्रतिजानीहि न मे भक्तः प्रणश्यति॥ (वह अति शीघ्र धर्मात्मा बन जाता है और परम शांति को प्राप्त करता है। हे अर्जुन! तुम प्रतिज्ञापूर्वक निश्चय जानो कि मेरे भक्त का कभी विनाश नहीं होता।)कर्म को भक्ति बनाएंः कृष्ण कहते हैं कि तुम जो खाते हो, जो दान करते हो, जो तप करते हो, वह सब मुझे अर्पित कर दो। इसका अर्थ है कि ऑफिस की फाइल सबमिट करते समय या मैदान में खेलते समय भी मन में यह भाव रखें कि 'कृष्ण, यह आपके लिए है। ' ऐसा करने से काम का तनाव गायब हो जाएगा और काम ही भक्ति बन जाएगा।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
28 जुलाई 2026

जंतर मंतर पर खाना खिलाने वाले जुनैद के घर पहुंच रही पुलिस, भाई और बुजुर्ग पिता से पूछताछ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। दिल्ली के जंतर-मतर पर चले प्रदर्शन के दौरान लगातार सेवादार के रूप में छात्रों को भोजन और पानी उपलब्ध कराने वाले मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव निवासी मोहम्मद जुनैद मालिक इन दिनों चर्चा में है। लेकिन उनके इस काम की वजह से मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव में रहने वाले उनके परिवार की मुश्किलें काफी बढ़ गई है। उनके पिता मुस्तफा का आरोप है कि यूपी पुलिस उनके परिवार और रिश्तेदारों को पूछताछ के नाम पर लगातार परेशान कर रही है। इसकी वजह से जुनैद की मां की तबीयत काफी बिगड़ गई है। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने पिछले ये दिनों में उनके घर पहुंचकर पूछताछ की और घरवालों से दस्तावेजों की जानकारी ली।

पिता को पूछताछ के लिए थाने ले गई

उनके पिता का कहना है कि मेरा बेटा कोई गलत काम नहीं कर रहा है। वह लोगों की सेवा कर रहा है। वह बचपन से ही लोगों की मदद करता आ रहा है। उनके पिता ने बताया कि 23 जुलाई की शाम करीब पांच बजे मसूरी पुलिस उनके घर पहुंचे। पुलिस ने घर में रखे दस्तावेज देखे और जुनैद के पिता मुस्तफा को पूछताछ के लिए थाने ले गई। वहां उनसे आधार कार्ड, पैन कार्ड बैंक पासबुक समेत अन्य दस्तावेजों के बारे में जानकारी ली गई। परिवार का कहना है कि रात करीब 11 बजे उन्हें वापस भेज दिया गया। अगले दिन 24 जुलाई को मुस्तफा को फिर थाने बुलाया गया, जहां पूरे दिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ा गया। दावा है कि 24 जुलाई की सुबह पुलिस मेरठ में जुनैद की बड़ी बहन के ससुराल पहुंची और उनके ससुर से भी पूछताछ की। उनके पिता ने बताया कि हमारा पूरा परिवार खेती-किसानी से जुड़ा है। जुनैद ने हाल ही में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की है।

वाराणसी के स्कूल में बच्चे के निजी अंग को जलाया; पैंट में कर दिया था पेशाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से एक स्कूल की शिक्षिका की अमानवीयता का मामला सामने आया है। आरोप है कि पांच साल के मासूम के पैंट में पेशाब करना शिक्षिका को इतना नागवार गुजरा कि उसने बच्चे के साथ मारपीट की। इतने से उनका मन भरा तो उन्होंने मासूम का प्राइवेट पार्ट जला दिया। बच्चे के पिता वकील हैं। उन्होंने लालपुर थाने में तहरीर दी है। बच्चे के साथ अमानवीय घटना की बात करते हुए मीडिया के सामने वे रोने लगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अब इस मामले में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अमानवीय घटना के मुद्दे को उठाया है। उन्होंने छोटे बच्चे के साथ हुई इस घटना को गंभीर बताया। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा है कि ये एक बेहद गंभीर मामला है, जिसका दर्दनाक और खौफनाक असर उस बच्चे पर जीवनभर हो सकता है। टीचर्स में इतनी समझ तो होनी चाहिए कि उन्हें बच्चों से हमदर्दी और इंसानियत से पेश आना चाहिए। उन्होंने तत्काल मामले में यथोचित कार्रवाई की मांग की है। लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र के सेरीन सोनी प?ले स?कूल, काशी इन?क?लेव की टीचर पर मासूम छात्र से मारपीट और उसका प्राइवेट पार्ट जलाने का आरोप लगा है। छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में पिता का बयान सामने आया है। इसमें उन्होंने घटना की जानकारी दी। पिता ने बताया कि बच्चा 24 जुलाई को स्कूल गया था। वहां उसने बाथरूम जाने की अनुमति मांगी। टीचर ने उसे बाथरूम जाने से मना कर दिया। बच्चे का पैंट में ही पेशाब निकल गया। इससे शिक्षिका काफी नाराज हो गई। गुस्से में वह बच्चे को लेकर दूसरे कमरे में पहुंची।

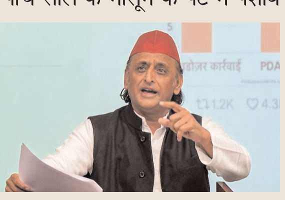

अभी तो काम पर रखा ही था पहले ही दिन नीयत खराब, मोबाइल चुराकर रफूचक्कर हुई नौकरानी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद के पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी के फ्लैट नंबर-1003 में शिल्पा यादव के घर काम के पहले ही दिन नौकरानी ने मोबाइल फोन उड़ा दिया. रविवार को पहली बार काम पर आई पूनम उर्फ पूजा नाम की महिला शाम करीब 4:30 बजे जरूरी काम का बहाना बनाकर निकल गई. उसके जाने के बाद मोबाइल गायब मिलने पर जब परिवार ने सीसीटीवी फुटेज चेक की, तो महिला फोन ले जाती हुई दिखाई दी. पीड़िता ने चोरी हुए मोबाइल नंबर के साथ पुलिस को शिकायत दी, जिसके बाद क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस सीसीटीवी और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है. रविवार को पूनम उर्फ पूजा पहली बार शिल्पा यादव के घर घरेलू काम के लिए पहुंची थी. शाम करीब 4:30 बजे उसने किसी जरूरी काम का हवाला दिया और घर से चली गई. उसके जाने के थोड़ी देर बाद ही जब परिवार के लोगों ने देखा तो उनका मोबाइल फोन गायब था.

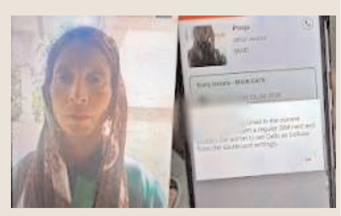

'धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से नाकाम हुए भारत को अस्थिर करने के विदेशी मंसूबे', कैलाश वजयवर्गीय का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर बड़ा बयान दिया है. शनिवार देर रात इंदौर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विजयवर्गीय ने दावा किया कि धर्मेंद्र प्रधान के पद छोड़ने से उन 'विदेशी ताकतों' की कोशिशें पूरी तरह नाकाम हो गई हैं, जो बांग्लादेश और श्रीलंका की तर्ज पर भारत में हिंसा फैलाकर देश को अस्थिर करना चाहती थीं. धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दिया, जिसके बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने अपना 36 दिन का आंदोलन वापस ले लिया. इस आंदोलन ने परीक्षाओं में गड़बड़ी और NEET पेपर लीक के मुद्दे पर लाखों लोगों को एकजुट किया था. बीजेपी के पूर्व महासचिव विजयवर्गीय ने कहा, 'प्रधान के इस्तीफे ने उन विदेशी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है जो बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह हिंसा फैलाकर भारत को अस्थिर करना चाहती थीं. मैं प्रधान को उनके इस कदम के लिए बधाई देता हूं. प्रधान ने हर जिम्मेदारी ईमानदारी और लगन से निभाई.'' BJP के सीनियर लीडर ने कहा, 'पहले ही दिन, जैसे ही छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ, प्रधान ने बीजेपी अध्यक्ष से कहा था कि अगर उन्हें जरूरी लगे, तो वह शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं. ' बीजेपी नेता ने बताया कि तब पार्टी अध्यक्ष ने प्रधान से इस्तीफा न देने को कहा और कहा कि इस मुद्दे पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है, इसलिए जब तक कोई फैसला न हो जाए, उन्हें न तो इस्तीफा देना चाहिए और न ही किसी से इस बारे में चर्चा करनी चाहिए. विजयवर्गीय ने आगे कहा कि बाद में, जब हालात बदले और पार्टी ने फासला किया कि प्रधान को पद छोड़ देना चाहिए, तो उन्होंने तुरंत इस्तीफा दे दिया. 'पड़ोसी के घर बच्चे के जन्म पर ढोल बजा रही कांग्रेस' प्रधान के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के जश्न मनाने पर निशाना साधते हुए विजयवर्गीय ने एक हिंदी कहावत का इस्तेमाल करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी 'पड़ोसी के घर बच्चे के जन्म पर ढोल-नगाड़े बजा रही है.' कैलाश ने दावा किया, 'छात्रों के आंदोलन में कांग्रेस की क्या भूमिका थी? आंदोलन छात्रों ने शुरू किया था और कांग्रेस बस उनके पीछे खड़ी थी. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद विपक्ष पूरी तरह से हताश हो गया था और निराशा के उस दौर में उन्हें 'कॉकरोच जनता पार्टी' में उम्मीद की एक किरण दिखाई दी. ' मंत्री ने यह भी पूछा कि क्या छात्रों के आंदोलन के दौरान किसी कांग्रेस नेता को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा. राहुल गांधी के 'दीमक' वाले बयान पर दिया करारा जवाब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 'दीमक' की तरह काम किया है और देश की शिक्षा व्यवस्था को खोखला कर दिया है. इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद पर निशाना साधते हुए विजयवर्गीय ने कहा, 'मुझे राहुल गांधी की राजनीतिक विचारधारा और उनकी समझ पर बहुत अफसोस होता है. मुझे लगता है कि उन्हें अभी भी यह समझने की जरूरत है कि RSS क्या है. ' बीजेपी नेता ने कहा कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसका श्रेय ऱ्रूस्स के योगदान को जाता है.

'बेटी जैसी हो' कहकर जीता भरोसा, फिर किया दुष्कर्म; चंदन नगर थाने का प्रधान आरक्षक गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। चंदन नगर थाना में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक को दुष्कर्म के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोप है कि पुलिसकर्मी ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत की जांच के बहाने एक महिला से संपर्क किया और बाद में उसे धमकाकर कई बार दुष्कर्म किया। मामले की शिकायत सीधे पुलिस आयुक्त से किए जाने के बाद कार्रवाई हुई। आरोपी को पहले लाइन अटैच किया गया और फिर उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार प्रधान रक्षक अंचल तिवारी चंदन नगर थाने में पदस्थ था। थाना क्षेत्र में रहने वाली 43 वर्षीय महिला ने कुछ समय पहले एक अलग मामले में सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। उसी शिकायत की जांच के लिए अंचल तिवारी महिला के संपर्क में आया। महिला का आरोप है कि शुरुआत में आरोपी ने भरोसा जीतने की कोशिश की और खुद को परिवार जैसा बताते हुए कहा कि वह उसे अपनी बेटी की तरह मानता है। महिला ने शिकायत में बताया कि 25 दिसंबर 2024 को उसका पति घर पर नहीं था। इसी दौरान आरोपी प्रधान आरक्षक शराब के नशे में उसके घर पहुंचा और जबरदस्ती दुष्कर्म किया। आरोप है कि उसने महिला के फोटो और वीडियो भी बना लिए। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार महिला का शोषण करता रहा। डर और बदनामी की वजह से महिला लंबे समय तक किसी से कुछ नहीं कह सकी। कुछ दिन पहले महिला ने पूरी घटना अपने पति को बताई। इसके बाद दोनों सीधे पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के पास पहुंचे और लिखित शिकायत दी। शिकायत सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर पाए जाने पर जोन-4 के डीसीपी सुनील मेहता ने आरोपी प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया। इसके बाद चंदन नगर पुलिस ने उसके खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। महिला का यह भी आरोप है कि आरोपी पुलिसकर्मी उसे और उसके परिवार को लगातार धमकाता था। उसने कई बार विरोध किया लेकिन आरोपी उसकी बच्ची और पति की हत्या करने की धमकी देता था। महिला ने बताया कि उसने आरोपी की पत्नी को भी पूरी बात बताई थी लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली। एक महिला एसआई ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया लेकिन बाद में वरिष्ठ अधिकारियों तक पूरी जानकारी पहुंची।

अमेरिकी बैंक एजेंट बनकर करते थे करोड़ों की ठगी, होटल में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी करने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर अमेरिकी नागरिकों को लोन दिलाने का झांसा देकर उनसे बैंकिंग और निजी जानकारी हासिल करते थे. आरोपी खुद को अमेरिका की एक वित्तीय संस्था के एजेंट के रूप में पेश करते थे. पुलिस के मुताबिक, यह फर्जी कॉल सेंटर पिछले करीब पांच महीने से ग्वालियर जिले के आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल जैनपथ से संचालित किया जा रहा था. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापा मारकर पूरे रैकेट का खुलासा किया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अमेरिकी नागरिकों का निजी डेटा हासिल कर उन्हें फोन करते थे और कम ब्याज पर लोन दिलाने का लालच देते थे. इसके बाद भरोसा जीतकर उनसे संवेदनशील जानकारी और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर गिफ्ट वाउचर लेते थे. मोहना थाना प्रभारी विनय सिंह तोमर के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फरार मास्टरमाइंड प्रवल प्रताप सिंह परिहार के निर्देश पर काम कर रहे थे. आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें अमेरिकी नागरिकों का निजी डेटा WhatsApp और ईमेल के जरिए भेजा जाता था. इसके बाद वे खुद को अमेरिका की 'Lending Club नामक वित्तीय संस्था का प्रतिनिधि बताकर लोगों से संपर्क करते थे. लोन प्रोसेस कराने के बहाने आरोपी कथित तौर पर पीड़ितों से सोशल सिक्योरिटी नंबर, बैंक खाते की जानकारी और अन्य गोपनीय दस्तावेज हासिल करते थे. इसके बाद प्रोसेसिंग फीस के नाम पर गिफ्ट वाउचर मंगाकर ठगी को अंजाम दिया जाता था.

कैश में मिलती थी सैलरी, ठगी पर मिलता था कमीशन

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें हर महीने ?15 हजार से ?20 हजार तक नकद वेतन दिया जाता था. इसके अलावा, कथित ठगी की रकम का पांच प्रतिशत कमीशन भी मिलता था.गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुजरात के अहमदाबाद निवासी 26 वर्षीय अभिषेक राजपूत और 31 वर्षीय शिवेंद्र सिंह परिहार, उत्तर प्रदेश के झांसी निवासी 20 वर्षीय आर्यन राजपूत तथा नागालैंड के दीमापुर निवासी 23 वर्षीय शुभोम घोष के रूप में हुई है. पुलिस ने इनके कब्जे से चार लैपटॉप, सात मोबाइल फोन, हेडफोन, ठगी में इस्तेमाल होने वाली स्क्रिप्ट, अमेरिकी ग्राहकों का डेटा और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने अब तक कितने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया और ठगी की कुल रकम कितनी है. फिलहाल इस गिरोह के कथित मास्टरमाइंड प्रवल प्रताप सिंह परिहार की तलाश जारी है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर पूरे रैकेट का खुलासा किया जाएगा.

अरे! ये तो जिंदा है घर में चल रहा था शांति पाठ, तभी दरवाजे पर आ खड़ा हुआ 'मुर्दा' पति!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

औरैया। औरैया के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर अड्डा निवासी कमल सिंह रैदास के घर शांति पाठ चल रहा था, तभी वह खुद जिंदा वापस आ गया. दरअसल, 18 जुलाई को नेशनल हाईवे किनारे मिले एक अज्ञात शव की पहचान 20 जुलाई को दशरथ सिंह ने अपने छोटे भाई कमल के रूप में की थी, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा और 21 जुलाई को अंतिम संस्कार हुआ. पत्नी सुनीता को जानकारी थी कि उसका पति जिंदा है, जिसके बाद उसने फोन पर संपर्क कर कमल को ग्वालियर से घर बुलाया. 25 जुलाई को पत्नी ने पुलिस को सूचना दी और अब पुलिस असली शव की पहचान में जुटी है. कमल सिंह करीब डेढ़ साल से घर से बाहर था. वह पहले पंजाब में नौकरी करने गया, फिर ट्रक पर हेल्पर रहा और बाद में ग्वालियर में प्लंबर का काम करने लगा. जब परिजनों ने उसकी मौत मानकर अंतिम संस्कार कर दिया, तब पत्नी सुनीता ने उस नंबर पर कॉल किया जिससे कमल बात करता था. ग्वालियर में कमल से बात होते ही सुनीता ने उसे तुरंत घर आने को कहा. जब कमल सिंह अपने गांव सैदपुर अड्डा पहुंचा, तो घर पर उसका शांति पाठ चल रहा था. उसे सामने खड़ा देखकर परिवार और गांव के लोगों के चेहरों की हवाइयां उड़ गईं. जो व्यक्ति मरा समझा जा रहा था, वह जिंदा सामने खड़ा था. घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई. पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि 18 जुलाई को मिले शव की पहचान दशरथ ने अपने भाई के रूप में की थी. 25 जुलाई को पत्नी ने कमल के जिंदा होने की खबर दी. अब पुलिस इस बात की गहनता से पड़ताल कर रही है कि परिजनों ने जिस अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया था, वह आखिर किसका था.

मोयामोया बीमारी से पीड़ित गौरव दुनिया छोड़ने से पहले बने 'रियल हीरो', अंगदान से चार लोगों को दी नई जिंदगी

मध्यप्रदेश के इंदौर के गौरव दवे की मौत के बाद उनके परिजनों ने अंगदान का फैसला लिया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। खजूरी बाजार निवासी 25 वर्षीय गौरव दवे ने अपनी जिंदगी में फिल्मों, टीवी सीरियल और वेब सीरीज के लिए कलाकारों का चयन किया। पर्दे पर हीरो बनाने का काम करने वाले गौरव अब अपनी मौत के बाद रियल जिंदगी के हीरो बन गए हैं। ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया, जिससे चार गंभीर मरीजों को नया जीवन मिलने की उम्मीद जगी। सोमवार को गौरव के अंगदान के लिए शहर में चार महीने बाद 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

कास्टिंग डायरेक्टर थे गौरव

गौरव दवे पेशे से कास्टिंग डायरेक्टर थे। वह वर्ष 2021 से फिल्म और वेब सीरीज से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रहे थे। उन्होंने इंदौर में शूट हुई अभिनेता विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में कास्टिंग कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी शुरुआत की थी। इसके बाद भी वह कई प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे और कलाकारों के चुनने में अहम भूमिका निभाते रहे।

ब्रेम हैमरेज से मौत

परिजनों के अनुसार कुछ दिन पहले गौरव को अचानक तेज सिरदर्द की शिकायत हुई थी। पहले उन्हें इलाज के लिए मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक दिन उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया लेकिन अगले ही दिन फिर सिरदर्द बढ़ने पर राजश्री अपोलो अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के दौरान ब्रेन हैमरेज की पुष्टि हुई। 16 जुलाई को उनकी ब्रेन सर्जरी की गई।

मोयामोया नाम की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित

इसी दौरान डॉक्टरों को पता चला कि गौरव मोयामोया नाम की बेहद दुर्लभ बीमारी से पीड़ित थे। बताया गया कि इस बीमारी का यह दुनिया का आठवां और भारत का तीसरा मामला है। तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 26 जुलाई की सुबह करीब सात बजे डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इस कठिन समय में परिवार ने बड़ा फैसला लेते हुए अंगदान की सहमति दी। मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट के जीतू बागानी ने बताया कि गौरव की बहन वैदही राठी, बहनोई पलकेश राठी और भाई रितिक चावरे ने माता-पिता सतीश दवे और कविता दवे को अंगदान के महत्व के बारे में समझाया। इसके बाद पूरे परिवार ने एकमत होकर अंगदान का निर्णय लिया। सोमवार सुबह 7.30 बजे इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। गौरव का हृदय अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में भर्ती एक मरीज को प्रत्यारोपित किया जाएगा। इसके लिए अस्पताल की टीम रविवार देर रात सड़क मार्ग से इंदौर पहुंची थी और सोमवार सुबह 8.45 बजे विमान से हृदय लेकर रवाना हुई। वहीं, उनका लिवर अपोलो अस्पताल में भर्ती एक मरीज को लगाया जाएगा। दोनों किडनियां चोइथराम अस्पताल में दो अलग-अलग मरीजों को प्रत्यारोपित की जाएंगी। गौरव के परिवार में माता-पिता और एक बहन हैं, जिसकी शादी करीब आठ महीने पहले हुई थी।

वाराणसी से लौट रहे युवक की फर्रुखाबाद में हत्या, बदमाशों ने पत्नी-बेटे के सामने मारी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में नेशनल हाईवे पर उस समय सनसनी फैल गई, जब देर रात वाराणसी से दर्शन कर परिवार के साथ लौट रहे एक युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. युवक अपनी पत्नी और बच्चे के साथ हाईवे किनारे एक दुकान पर कोल्ड ड्रिंक और चिप्स लेने के लिए रुका था. तभी कार सवार बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. दो गोलियां लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है. फर्रुखाबाद के कादरीगेट थाना क्षेत्र में रविवार रात करीब 9 बजे हुई इस वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी. फरीदाबाद के दयालपुर निवासी 32 वर्षीय अरुण हुड्डा अपनी पत्नी राखी और बच्चे के साथ कार से वाराणसी दर्शन के लिए गए थे. रविवार को परिवार के साथ वापस लौटते समय वह पांचाल घाट के पास एक किराना दुकान पर रुके. अरुण ने दुकान से कोल्ड ड्रिंक, चिप्स और पानी की बोतल खरीदी. जैसे ही वह कोल्ड ड्रिंक खोलकर उसमें नमक डाल रहे थे और अपनी पत्नी को देने ही वाले थे कि तभी एक सफेद रंग की कार वहां आकर रुकी. कार से उतरे बदमाशों ने अचानक अरुण पर फायरिंग शुरू कर दी. गोलीबारी में अरुण को दो गोलियां लगीं और वह मौके पर ही गिर पड़े. पत्नी और बच्चे के सामने हुई इस घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी. घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और डीवीआर को कब्जे में लेकर अहम सुराग जुटाए जा रहे हैं. इस घटना पर पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने बताया कि 112 पर सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति की अज्ञात लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई है. पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची. जांच में पता चला कि मृतक वाराणसी से अपने घर फरीदाबाद लौट रहा था. दुकान पर सामान खरीदने के दौरान दो युवकों ने उस पर फायरिंग की. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. परिजनों से पूछताछ की जा रही है. सीसीटीवी फुटेज से कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा फिलहाल पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है. अब देखना होगा कि पुलिस इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा कब तक कर पाती है.

सिर्फ बस नहीं, मेट्रो और शॉपिंग के लिए भी काम आएगा दिल्ली का 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। महिलाओं के लिए शुरू किया गया 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' अब केवल डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा. दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने इस कार्ड को नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (ह्ष्टस्ष्ट) के रूप में विकसित किया है, जिसके जरिए महिलाएं न सिर्फ मुफ्त बस यात्रा कर सकेंगी, बल्कि इसे डेबिट कार्ड की तरह मॉल, दुकानों, दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेनों में भी इस्तेमाल कर सकेंगी.

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि डेबिट कार्ड सुविधा वाला पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के जरिए जारी किया जाएगा. इसके लिए महिलाओं को डीटीसी के अधिकृत बैंक के ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा. आवेदन के दौरान दिल्ली के पते वाला आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और अन्य जरूरी व्यक्तिगत जानकारी देनी होगी. जरूरत पड़ने पर पैन कार्ड भी मांगा जा सकता है, इसके बाद वीडियो केवाईसी पूरी होने पर कार्ड आवेदक के घर भेज दिया जाएगा. डीटीसी इस कार्ड को दो विकल्पों में जारी कर रहा है. पहला जीरो केवाईसी कार्ड, जिसमें आधार और ओटीपी के जरिए तुरंत कार्ड जारी हो जाएगा और इसका उपयोग मुख्य रूप से मुफ्त बस यात्रा के लिए किया जा सकेगा. दूसरा फुल केवाईसी कार्ड, जिसमें बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी और इसे डेबिट कार्ड की तरह इस्तेमाल किया जा सकेगा. परिवहन विभाग के अनुसार, मुफ्त बस यात्रा के लिए महिलाओं को बस में चढ़ते समय कार्ड को टिकट मशीन पर टैप करना होगा, जिससे उन्हें पहले की तरह निशुल्क टिकट मिल जाएगा. वहीं, अगर महिला इस कार्ड का उपयोग मेट्रो, नमो भारत ट्रेन या दुकानों में भुगतान के लिए करना चाहती है, तो उसे पहले अपने बैंक खाते या यूपीआई के माध्यम से कार्ड में राशि जोड़नी होगी. डीटीसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि 1 अगस्त से डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ लेने के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा. बिना वैध कार्ड के महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी. इसी को लेकर बसों और डिपो में जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है.

सोशल मीडिया से PM मोदी पर किए गए भद्दे पोस्ट, फोटो-वीडियो कराए डिलीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर सोशल मीडिया पर साझा किए गए भद्दे पोस्ट, फोटो और वीडियो पर दिल्ली पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है. अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस भेजकर आपत्तिजनक कंटेंट हटवाया गया है. पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम लगातार ऐसे पोस्ट की पहचान कर रही है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके.

दरअसल, प्रदर्शन के दौरान कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रधानमंत्री को लेकर अपशब्दों वाले वीडियो, भद्दी टिप्पणियां और आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किए गए थे. दिल्ली पुलिस ने ऐसे कंटेंट की पहचान के बाद संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किए. इसके बाद नियमों के तहत विवादित पोस्ट, फोटो और वीडियो हटवाए गए. पुलिस का कहना है कि जांच अभी भी जारी है और नए मामलों पर भी नजर रखी जा रही है. कार्रवाई केवल प्रधानमंत्री से जुड़े पोस्ट तक सीमित नहीं रही. प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर साझा किए गए अन्य अभद्र और आपत्तिजनक कंटेंट को भी चिन्हित किया गया. ऐसे मामलों में भी संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस भेजकर नियमों के मुताबिक कार्रवाई करने को कहा गया. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक नोटिस तेजी से वायरल हुआ. इसमें दावा किया गया कि दिल्ली पुलिस फेसियल रिकग्निशन सिस्टम के जरिए लोगों को परेशान कर रही है. दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक फैक्ट चेक में इसे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया. पुलिस ने साफ कहा कि ऐसा कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और न ही इस तकनीक का किसी की आजादी सीमित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है. इंटरनेट पर फर्जी दावों और भड़काऊ बयानों की पहचान के लिए विशेष टीम तैनात है. हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है. आम लोगों से भी अपील की गई है कि बिना पड़ताल के किसी भी वायरल संदेश या नोटिस पर भरोसा न करें. ऐसे मामलों में सिर्फ आधिकारिक जानकारी को ही सच मानें.

दिल्ली में कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस का महाकुंभ, सीएम रेखा गुप्ता ने लोगों से की शामिल होने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी से एक दिन पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमावर को राजधानी वासियों से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से स्टेडियम पहुंचकर मुकाबलों का लाइव रोमांच देखने और इस मेगा खेल आयोजन का भरपूर लुत्फ उठाने का आग्रह किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, '27 जुलाई से दिल्ली 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी करेगी। सात दिनों तक, त्यागराज स्टेडियम में 25 कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ी विश्व-स्तरीय टेबल टेनिस, बेहतरीन कौशल और खेल उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगे। दिल्लीवासियों को इस एक्शन को लाइव देखने और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, क्योंकि राजधानी कॉमनवेल्थ के प्रमुख खेल आयोजनों में से एक की मेजबानी कर रही है। ' 14 जुलाई को मुख्यमंत्री ने 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के आधिकारिक मैस्कॉट (शुभंकर) 'मयूर' का अनावरण किया था। समारोह के दौरान, उन्होंने चैंपियनशिप के बहुप्रतीक्षित आधिकारिक ट्रेलर को भी लॉन्च किया। मैस्कॉट के प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मयूर' भारत के राष्ट्रीय पक्षी से प्रेरित है और यह ऊर्जा, उत्साह, जीवंतता और सकारात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मोर के पंखों में सभी हिस्सा लेने वाले देशों के राष्ट्रीय झंडों को खूबसूरती से शामिल किया गया है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना और खेल भावना के संदेश को दर्शाता है। इस भव्य आयोजन में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) और कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन के पदाधिकारी, विभिन्न देशों के प्रतिनिधि, खिलाड़ी, खेल जगत के प्रतिष्ठित सदस्य और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। दिल्ली को इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी मिलने पर गर्व जताते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे, बेहतरीन आयोजन क्षमता और वैश्विक खेलों के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स से लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स तक, दिल्ली ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की सफल मेजबानी का शानदार रिकॉर्ड कायम किया है।

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणीः 'शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक हक, लेकिन हिंसा और पुलिस की बर्बरता बर्दाश्त नहीं

NEET पेपर लीक विवाद के बीच देश भर में राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों को लेकर शीर्ष अदालत का सख्त रुख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। NEET-UG परीक्षा में कथित गड़बड़ी और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देशभर में जारी छात्र आंदोलनों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़पों पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद गंभीर टिप्पणी की है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ओर से किए गए अत्यधिक बल प्रयोग और उपद्रवियों द्वारा सुरक्षाबलों पर किए गए हमलों, दोनों पर गहरी चिंता जताई है। अदालत ने बेहद कड़े शब्दों में साफ किया कि लोकतंत्र में अपनी मांगों के लिए आवाज उठाना नागरिकों का बुनियादी और संवैधानिक अधिकार है, लेकिन विरोध की आड़ में हिंसा फैलाना या कानून हाथ में लेना किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने पुलिस प्रशासन और उग्र प्रदर्शनकारियों दोनों की भूमिका पर अपनी नाराजगी जताई छात्रों पर बर्बरता गलतः अपने

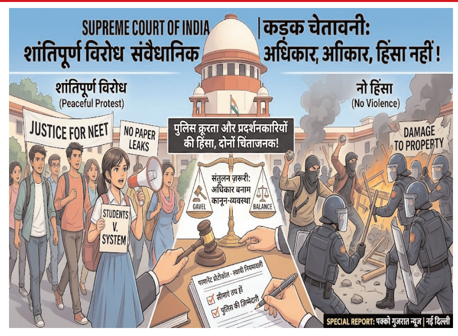

भविष्य की लड़ाई लड़ रहे युवाओं और निर्दोष छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज या अत्यधिक बल का प्रयोग पूरी तरह अनुचित है। केवल आंदोलन होना ही पुलिस कार्रवाई की वजह नहीं बन सकता।

पुलिस पर हमला भी गंभीर चिंताः ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करना, उन पर पथराव करना या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना उतना ही गंभीर अपराध है। अदालत ने कहा कि चोट चाहे छात्र को लगे या पुलिसकर्मी को, दोनों ही समान रूप से चिंताजनक हैं।

संतुलन और आत्म-अनुशासन जरूरीः लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध दर्ज कराने के अधिकार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बीच एक मजबूत संतुलन होना आवश्यक है। इसके लिए सभी पक्षों को आत्म-अनुशासन का परिचय देना होगा। प्रदर्शनों के दौरान आए दिन पैदा होने वाली अराजकता और बल प्रयोग की घटनाओं को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश के लिए एक जैसा राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने का संकेत दिया है।

1. **प्रदर्शन के दायरे और स्थानः** नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करने के लिए निर्धारित और उचित स्थान उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि आम जनजीवन प्रभावित न हो।

2. पुलिस की कार्रवाई की सीमाः प्रदर्शनकारियों से निपटते समय पुलिस प्रशासन के पास पर्याप्त सुरक्षा उपकरण (जैसे हेलमेट व सुरक्षा गियर) होने चाहिए। साथ ही बल प्रयोग कब और किस सीमा तक किया जाए, इसकी भी सख्त गाइडलाइंस तय होंगी।

3. असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाईः शांतिपूर्ण आंदोलन की आड़ में हिंसा भड़काने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटने की छूट रहेगी। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख ऐसे संवेदनशील समय पर आया है जब देश की युवा शक्ति NEET मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरी हुई है। पुलिस प्रशासन देश भर में विरोध प्रदर्शनों को संचालित करने के लिए किस तरह के नए और पारदर्शी प्रोटोकॉल जारी करते हैं।

बिजली कर्मचारियों के सामने आया बाघ

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बिजली कर्मचारियों के सामने अचानक आ गया बाघ, एक घंटे तक खंभे पर चढ़कर बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बिजली लाइन की मरम्मत कर रहे कर्मचारियों के सामने अचानक एक बाघ आ गया। अपनी जान बचाने के लिए कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए बिजली के खंभे पर चढ़कर शरण ली और करीब एक घंटे तक वहीं डरे-सहमे बैठे रहे। यह घटना चंद्रपुर जिले की मुल तहसील के पुलझारी गांव की है। यह ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के आसपास का इलाका है। यह क्षेत्र बाघों की मौजूदगी के लिए जाना जाता है। लेकिन ड्यूटी के दौरान इतने करीब से बाघ का सामना होना कर्मचारियों के लिए बेहद डरावना अनुभव साबित हुआ।

अचानक झाड़ियों से निकला बाघ

जानकारी के अनुसार, महावितरण (बिजली वितरण कंपनी) के कर्मचारी गांव के पास बिजली लाइन के रखरखाव का काम कर रहे थे। इसी दौरान पास की झाड़ियों से अचानक एक बाघ निकलकर उनकी ओर बढ़ने लगा। खतरे को भांपते ही कर्मचारियों ने भागने के बजाय पास के बिजली के खंभे पर चढ़कर अपनी जान बचाई। कर्मचारियों ने बताया कि बाघ काफी देर तक खंभे के आसपास घूमता रहा और बीच-बीच में दहाड़ भी लगाता रहा। इस वजह से वे नीचे उतरने की हिम्मत नहीं जुटा सके।लगभग एक घंटे बाद जब बाघ वापस जंगल की ओर चला गया, तब जाकर उन्होंने राहत की सांस ली और सुरक्षित नीचे उतरे। इस दौरान वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने पूरी घटना अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली। बाद में वीडियो को व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया, जहां यह तेजी से वायरल हो गया। वीडियो देखने वाले लोग कर्मचारियों की सूझबूझ और साहस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

नागपुर में लापता हुई थी 16 साल की हिंदू लड़की, 6 साल बाद आई सामने, खुला अपहरण, जबरन धर्मांतरण और निकाह का राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र में एक नाबालिग लड़की के कथित अपहरण, यौन शोषण और जबरदस्ती शादी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने छह साल बाद पुलिस से संपर्क किया और इतने सालों तक हुए कथित शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बारे में बताया। शिकायत के अनुसार, लड़की का कथित तौर पर 2020 में 16 साल की उम्र में अपहरण कर लिया गया था और बाद में एक युवक ने उससे जबरदस्ती शादी कर ली। लड़की हिंदू परिवार की है जबकि लड़का मुस्लिम है। लड़की ने उसके ऊपर जबरन धर्म परिवर्तन कराने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि एक फर्जी आधार कार्ड में पीड़िता का नाम और उम्र कथित तौर पर बदल दी गई थी, और वे ज़बरदस्ती धर्म परिवर्तन के संभावित पहलू की भी जांच कर रहे हैं। यह कथित घटना 13 अगस्त, 2020 के आसपास मनकापुर-ज़िंगाबाई टाकली इलाके में शुरू हुई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी समीर अली (जो उस समय लगभग 21-24 साल का था) ने कथित तौर पर 16 साल की लड़की का अपहरण किया। उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। समीर मनकापुर चौक के पास एक पान की दुकान पर काम करता था।

दरगाह में ले जाकर जबरन निकाह

रिश्ते को कथित तौर पर वैध बनाने के लिए, आरोपी ने उसका नाम बदलकर और उम्र बढ़ाकर एक फर्जी आधार कार्ड बनवाया ताकि उसे बालिग दिखाया जा सके। 2021 में, लड़की को कथित तौर पर समीर के परिवार के सदस्यों, अजीजा मुनीर अली (45) और मुनीर अली (50) की मौजूदगी में अवस्थी चौक के पास एक दरगाह ले जाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, मौलाना अनवर ने निकाह संपन्न कराया। पीड़िता अब चार साल के बच्चे की मां है। उसने आरोप लगाया कि समीर अली ने उसे जबरन कम उम्र में गर्भवती बनाया, जिसके बाद उसने एक बेटे को जन्म दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने आरोप लगाया है कि समीर, अज़ीज़ा और मुनीर ने धर्म परिवर्तन और शोषण के इरादे से उसे धोखा देने की साजिश रची थी। सूत्रों ने बताया कि फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल उसे सरकारी मैटरनिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराने के लिए किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टीमें घटनाओं के क्रम की पुष्टि कर रही हैं, आधार कार्ड की जांच कर रही हैं, गवाहों (जिसमें शादी कराने वाला व्यक्ति भी शामिल है) के बयान दर्ज कर रही हैं और मेडिकल व फ़ोरेंसिक सबूत इकट्ठा कर रही हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि कथित अपहरण और शुरुआती शोषण के समय लड़की नाबालिग थी। हम सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिसमें निजी रिश्तों में खटास आना भी शामिल है। जांचकर्ता विशेष रूप से इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उसे शादी के लिए धर्म बदलने के लिए बहलाया-फुसलाया गया था और मजबूर किया गया था। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें अपहरण, नाबालिग के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े POCSO एक्ट के प्रावधान और बाल विवाह निषेध अधिनियम शामिल हैं। दस्तावेजों में हेराफेरी और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराएं भी लगाई गई हैं। कथित साजिश, मौलाना की भूमिका और मामले से जुड़े दस्तावेजों की सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

अरब सागर ने लौटाया 2500 मीट्रिक टन कचरा, मुंबई की जुहू चौपाटी पर सबसे अधिक मलबा, वर्सोवा दूसरे नंबर पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मॉनसून सीजन में अरब सागर ने मुंबई वालों को 2500 मीट्रिक टन कचरा लौटा दिया। बीएमसी के मुताबिक, खुले नालों और गटर में फेंका गया कचरा स्टार्मवॉटर ड्रेन के जरिए समंदर में गया था। भारी बारिश के बाद जब अरब सागर की लहरें ऊंची हुई तो यह कूड़ा-कचरा वापस किनारे पर आ गया। कचरे में सबसे अधिक प्लास्टिक, थर्मोकोल, कपड़े, लकड़ी और घर का दूसरा कचरा शामिल है। बीएमसी ने सिर्फ जुहू चौपाटी से 1,824 मीट्रिक टन कचरा उठाया है। गंदगी के मामले में दूसरे नंबर पर वर्सोवा चौपाटी है। सागर ने दादर माहिम चौपाटी पर 152 मीट्रिक टन वापस किया है।

मुंबई के समुद्र तटों पर वापस आ रहा कचरा

नालों में कूड़ा-कचरा फेंकने और कचरा प्रबंधन की कमी के कारण मुंबई का समुद्र तट प्रदूषित हो रहा है। मुंबई के समुद्र तटों पर कचरा वापस भी आ रहा है। बृहन्मुंबई नगर निगम के मुताबिक, समुद्र और नालों में फेंका गया कचरा डूबता नहीं है और तैरता रहता है। मानसून के दौरान, ऊंची लहरें इस तैरते हुए कचरे को वापस समुद्र तटों पर धकेल देती हैं। बीएमसी के मुताबिक, इस मॉनसून सीजन में जुहू चौपाटी से 1,824 मीट्रिक टन कूड़ा मिला, जो कुल कचरे का लगभग 72 प्रतिशत है। इसके बाद वर्सोवा (277.6 MT), दादर माहिम चौपाटी (152 MT), चिम्बाई (127.2 MT), मध मार्वे (44.24 MT), गोराई (38.82 MT) और गिरगांव चौपाटी (33.66 MT) का नंबर आता है।

पानी में बढ़ते ऑर्गेनिक प्रदूषण का संकेत

मुंबई में हाई टाइड के दौरान जुहू बीच पर भारी मात्रा में कचरा जमा होने से समुद्री प्रदूषण की गंभीर स्थिति उजागर हुई है। बीएमसी की स्टडी में बांद्रा और वर्सोवा के समुद्री पानी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड लगभग 100 mg/L और जुहू में 50 द्वद्द/रु दर्ज की गई, जबकि निर्धारित सीमा केवल 10 द्वद्द/रु है। अधिक BOD पानी में बढ़ते ऑर्गेनिक प्रदूषण का संकेत देता है। 'द ओशन क्लीनअप' के अनुसार, मुंबई के करीब 50 नालों से हर साल 5,000 मीट्रिक टन प्लास्टिक अरब सागर में पहुंचता है, जिससे तटरेखा, मैंग्रोव और कई संरक्षित समुद्री प्रजातियां प्रभावित हो रही हैं।

24 घंटे में दिल्ली पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी; कैब लूटकर ड्राइवर का मर्डर करने वाले 3 दबोचे, एक फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ और कृष्णा नगर पुलिस की टीम ने 24 घंटे के अंदर एक ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है। हत्या में इस्तेमाल चाकू, खून से सनी मारुति वैगनआर कार, आरोपियों के खून से सने कपड़े, घटना में इस्तेमाल मोबाइल और अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए हैं।

आरोपियों में एक नाबालिग, चौथे की हो रही तलाश

आरोपियों की पहचान न्यू सीलमपुर निवासी अयान (20), साहिल (19) और 17 साल के नाबालिग के रूप में हुई है। अमन कुरैशी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।आरोपियों ने बताया कि लूट के मकसद से कैब बुक की। फिर ड्राइवर की हत्या कर दी। लोगों ने पीछा किया तो कैब छोड़कर फरार हो गए। शाहदरा जिला के डीसीपी राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि क्राइम टीम और एफएसएल एक्सपर्ट की टीम ने मौके से सबूत जुटाए। तब हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

कई CCTV की जांच के बाद मिला सुराग

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की जांच कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों ने बताया कि जाफराबाद के कुछ युवकों से उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी वजह से अयान ने अमन कुरैशी से हथियार की व्यवस्था करने को कहा था। अमन ने 23 जुलाई को एक चाकू लाकर अयान को दिया।

धक्का लगने पर हौज खास के कपड़ा कारोबारी की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या, IMS के पास हुआ था मामूली विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हौज खास इलाके में मामूली कहासुनी के दौरान एक कपड़ा कारोबारी की हत्या कर दी गई। आरोप है कि नशे में धुत शख्स ने पहले कारोबारी से झगड़ा किया। फिर जमकर पीटा और फिर बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी। लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 23 जुलाई की रात एम्स मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 3, अरबिंदो मार्ग के पास झगड़े की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची पुलिस को तैमूर नगर निवासी लोकेश (40) लोगों की पकड़ में मिला।

गंभीर हालत में घायल व्यक्ति को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान बिहार निवासी मनोज सिंह (49) के रूप में हुई। वह लंबे समय से सफदरजंग अस्पताल के गेट नंबर दो के बाहर कपड़ों की दुकान लगाते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि रात करीब 11 बजे बस स्टैंड पर दोनों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान मनोज सिंह की मौत हो गई।

मृतक के बेटे ने लगाए आरोप

मनोज के बेटे बिट्टू कुमार का आरोप है कि घटना सिर्फ मारपीट की नहीं, बल्कि बेल्ट से गला घोंटकर हत्या की है। उनके पिता पिछले करीब 25 साल से सफदरजंग अस्पताल के गेट नंबर-2 के बाहर कपड़ों की दुकान लगाते थे। घटना वाली रात दुकान बंद कर अपने कमरे की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान नशे में धुत आरोपी ने जानबूझकर उन्हें धक्का मारा और विवाद करने लगा। जब उनके पिता वहां से जाने लगे तो आरोपी ने अपनी बेल्ट निकालकर पीछे से उनके गले में डाल दी और उसे कस दिया। दम घुटने से वह सड़क पर गिर पड़े।

व्यवस्था समाप्त करने व फसल बीमा राशि दिलाने की मांग को लेकर किसान कांग्रेस का नागदा में प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

किसान कांग्रेस एवं बसंत मालपानी मित्र मंडल के नेतृत्व में सोमवार को बड़ी संख्या में किसान एवं युवाओं ने नागदा में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम अनुविभागीय अधिकारी रंजना पाटीदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने, उसे सरल एवं प्रभावी बनाने तथा वर्ष 2025 की खराब हुई खरीफ फसल की बीमा राशि तत्काल दिलाने की मांग की गई। यह जानकारी देते हुए ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष सुरपाल सिंह भाटी एवं श्रवण सोलंकी ने बताया की ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन द्वारा यूरिया खाद का वितरण ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से किया जा रहा है, लेकिन यह व्यवस्था व्यवहारिक रूप से किसानों के लिए अनेक कठिनाइयों का कारण बन रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश किसानों के पास तकनीकी जानकारी एवं आवश्यक संसाधनों का अभाव है। ई-टोकन प्राप्त करने के लिए किसानों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और कई किसानों को समय पर टोकन नहीं मिलने से खेती के महत्वपूर्ण समय पर यूरिया उपलब्ध नहीं हो पाता। इसका सीधा असर फसलों की वृद्धि और उत्पादन पर पड़ रहा है। किसान कांग्रेस ने ज्ञापन में मांग की कि किसानों के हित को देखते हुए ई-टोकन व्यवस्था को तत्काल समाप्त किया जाए अथवा इसे सरल एवं प्रभावी बनाया जाए। साथ ही टोकन जनरेट होने की निर्धारित समय-सीमा समाप्त की जाए, ताकि किसानों को आवश्यकता के अनुसार समय पर खाद मिल सके। इसके अलावा नागदा-खाचरोद क्षेत्र के किसानों को वर्ष 2025 में खराब हुई खरीफ फसल की बीमा राशि शीघ्र प्रदान की जाए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता बसंत मालपानी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसान, युवा, छात्र और व्यापारी सभी वर्ग परेशान हैं। सरकार की अव्यवहारिक व्यवस्थाओं का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान कांग्रेस जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस मौके पर,पप्पू लाल चौधरी,जयराजसिंह पवार, संतोष दास बेरागी, मांगीलाल चौधरी ,अंकित सोलंकी, पवन पाटीदार, बहादुर सिंह आंजना ,श्याम परमार, कालू परमार ,दिनेश चंद्रवंशी, प्रहलाद बोडाना,नाथूलाल महेश्वरी ,प्रकाश पप्पू चौधरी, धीरज पाटीदार, नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट।

19 बास्केटबॉल टीम सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । सर्वज्ञ राव बास्केटबॉल एकेड्मी राजनांदगांव की बालिका बास्केटबॉल खिलाड़ियों से सज्जीत दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की बालिका अंडर 14, 17 एवं 19 की बास्केटबॉल टीम सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। उक्त आशय की जानकारी देते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की प्राचार्या ने बताया कि बालिका 14 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिका टीम ने मदर पब्लिक स्कूल भुवनेश्वर को 24-12 पाइंट से, 17 वर्ष से कम उम्र की टीम ने लक्ष्मी पथ सिंधानिया 26-04 अंको से तथा 19 वर्ष से कम उम्र की बालिका टीम ने मदर पब्लिक स्कूल भुवनेश्वर को 25-09 अंको से परास्त कर स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव की बालिका 14 वर्ष से कम उम्र की टीम :- दर्शना भष्टाचार्जी, मोनिका धाकड, पावनी कोडापे, निधी बंधे, शगुन, जीया हांडे, शेरोन मसीह, छवि साहु, निधी गावडे, चोसिका जुरी, वरुनी शोरी टीम के कोच कालवा राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन साहु, एवं नेहाली देवांगन है। बालिका 17 वर्ष से कम उम्र की टीम :- सौम्या पांडे, आर्या विजय अवारे, रूमी कोनवर, प्राची सिंह, नंदनी माधो प्रधान, बिनायशा सोनी, अशिका तोमर, इशिका साहू, निवासीनी सिंह, हर्षिता लाहकर, तृप्ति साहु कोच कालवा राजेश्वर राव, सहायक कोच मोहन राम साहु और मेनेजर नेहाली देवांगन है । सहायक कोच मोहन राम साहु मेनेजर नेहाली देवांगन ।

बेंगलुरु : प्रदर्शन में उमर खालिद-शरजील इमाम के समर्थन में तख्ती लेने पर एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फीडम पार्क में छात्र प्रदर्शन के दौरान जेल में बंद कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में तख्तियां दिखाने वाली एक अज्ञात महिला पर पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम हुई घटना के संबंध में की गई है। बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के बीच एक युवती को 'उमर खालिद जिंदाबाद', 'शरजील इमाम जिंदाबाद' और 'उखाड़ ले बीएलआर पुलिस' जैसे नारे लिखी तख्तियां पकड़े देखा गया।

आज से दिल्ली में हो सकती है झमाझम, दिल्ली समेत कई इलाकों में गिरेगा तापमान

–आईएमडी ने मंगलवार–बुधवार को बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार से बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है जो पूरी जुलाई लोगों को भिगोता रहेगा। वहीं सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर रात तक कई दौर में बारिश हो सकती है। यह बारिश हल्की से मध्यम स्तर की होगी।

दिल्ली समेत नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद में सोमवार से मॉनसून सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और मौसम में ठंडक होगी। एनसीआर में सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात में भी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी दिशा से हवाएं 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जबकि अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक

रहेगा जो सामान्य से काफी कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

इस दौरान एनसीआर में उमस का स्तर ऊंचा बना रहेगा, जिससे मौसम कुछ हद तक चिपचिपा हो सकता है, लेकिन बादलों और बारिश की वजह से तेज गर्मी से राहत मिलेगी। आईएमडी के मुताबिक एनसीआर के अन्य शहरों, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी कमोबेश यही स्थिति रहने वाली है। वहां भी आंशिक से सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो दौर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं मंगलवार से बारिश की गतिविधियां और बढ़ने वाली हैं जो जुलाई के इस आखिरी सप्ताह तक जारी रहेंगी। आईएमडी ने मंगलवार और बुधवार को मध्यम बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन मानसूनी धाराएं सक्रिय होने से आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद है। जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतें, छतरी या रेनकोट जरूर साथ रखें और ट्रैफिक में देरी की आशंका को ध्यान में रखकर निकलें। बिजली गिरने की संभावना वाले इलाकों में खुले में न रहें। आगे के दिनों में मानसून और सक्रिय होने से तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रह सकता है।

वांगचुक को अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी, डिस्चार्ज होते ही सीधे जा सकते हैं राजघाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में 26 दिन अनशन पर रहे सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल सकती है। यहां से डिस्चार्ज होते ही वांगचुक सीधे राजघाट पहुंच सकते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक वांगचुक को आईसीयू से वॉर्ड में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें सोनम वांगचुक तबीयत खराब होने के चलते पिछले कई दिनों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। अनशन के दौरान पुलिस ने उन्हें उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया था, लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश पर सोनम मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि यह भी खबर आ रही है कि सोनम अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीधे अपने घर नहीं जाएंगे बल्कि दिल्ली के

राजघाट जा सकते हैं। वे यहां महात्मा गांधी की समाधि पर जाएंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि क्या वे कॉकरोच जनता पार्टी के लोगों से मिलने जंतर-मंतर भी जाएंगे, फिलहाल इसे लेकर कोई स्पष्ट खबर नहीं है, लेकिन हो सकता है कि वे राजघाट से सीधे घर जाएं और कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े कुछ लोग उनसे मिलें। बता दें सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दिपके के साथ मिलकर अनशन किया था, हालांकि केंद्र सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में उन्होंने अपना अनशन तोड़ दिया था। केंद्र सरकार ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

सही निकली राहुल गांधी की बात, आरएएफ जवान ने पैलेट गन से किए थे सात फायर

-सीजेपी के प्रदर्शनकारी हुए थे घायल जिसमें एक पत्रकार भी था शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्?तेमाल को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आरएएफ की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्?तेमाल किया गया था। सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) को पता चला है कि उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने जिसे 20 जुलाई को संसद तक विरोध मार्च के दौरान कनॉट प्लेस इलाके में तैनात किया था, अपनी पैलेट गन से कम से कम सात राउंड फायर किए। एक अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो ज़मीन पर लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआरपीएफ ने इस बात की जांच शुरू की थी कि क्या प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में आरएएफ जवानों ने पेलेट गन का इस्तेमाल किया था। विरोध मार्च के दौरान पैलेट गन से लगी चोटों के लिए कम से कम तीन लोगों गुरुग्राम में काम करने वाले इरशाद शेख, दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र साहिल लोचब और एक पत्रकार का अस्पतालों में इलाज किया गया। एक सूत्र ने बताया कि आरएएफ जवानों द्वारा की गई लॉग एंट्रीज़ की जांच के बाद यह पता चला है कि कनॉट प्लेस में आरएएफ के एक जवान ने कुल सात पेलेट राउंड फायर किए थे। ये राउंड तब फायर किए गए जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया और पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। आरपीएफ के डीजी ने अपना पहले वाला बयान दोहराया कि अब, चूंकि आंदोलन वापस ले लिया गया है और जमा हुए लोग चले गए हैं, इसलिए हम घटना के बाद पेशेवर तरीके से समीक्षा करेंगे जैसा कि हम हर बड़े काम के बाद करते हैं और फिर आपको फोर्स हेडक्वार्टर का नजरिया बताएंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बीते 24 जुलाई को सरकार पर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था और कहा था कि 'अपराधी शिक्षा मंत्री' धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए युवक साहिल को मीडिया के सामने पेश किया था और कहा था कि ऐसे 'हजारों युवाओं' के खिलाफ बर्बर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा था कि सरकार कह रही है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं हुआ, जबकि उस समय पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया जब यह युवक देश का तिरंगा लेकर खड़ा था।

पेपर लीक जवाबदेही को लेकर शिवकुमार के बयान पर भाजपा हुई हमलावर

मुख्यमंत्री बोले– पेपर लीक होने पर डिप्टी कमिश्नर होंगे जिम्मेदार

-भाजपा ने कहा- जिम्मेदारी अधिकारियों की नहीं, सरकार और मुख्यमंत्री की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्र आंदोलन और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय करने को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भविष्य में किसी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है तो संबंधित जिले के डिप्टी कमिश्नर को जिम्मेदार माना जाएगा। भाजपा ने इस बयान को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा का आरोप है कि राज्य सरकार भर्ती परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पहले से ही अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही अंततः सरकार और मुख्यमंत्री की होती है, इसलिए भविष्य में किसी भी पेपर लीक की स्थिति में मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस राजनीतिक जवाबदेही की मांग करती है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में वही जिम्मेदारी अधिकारियों पर डालने की कोशिश की जा रही है। आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री का ध्यान भर्ती प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर होना चाहिए, न कि संभावित घटनाओं के लिए पहले से जिला प्रशासन को जिम्मेदार घोषित करने पर। उन्होंने इसे कांग्रेस का दोहरे मानदंड वाला रवैया बताते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व अपनी जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रहा है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में कर्नाटक में किसी भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की होगी।

चढ़ावा चोरी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, नई एसआईटी अफसरों ने नाम पेश करेगी सरकार

अयोध्या(एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार नई एसआईटी के गठन से जुड़े अधिकारियों के नाम कोर्ट में पेश कर सकती है। बता दें राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नई एसआईटी का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई में यूपी सरकार को एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इससे पहले अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट की 22 जुलाई को हुई बैठक में मंदिर में पूजा–पाठ की पूरी व्यवस्था के लिए गठित 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन करके उसमें अयोध्या के पांच संतों समेत कुल नौ सदस्यों को शामिल करने और ट्रस्ट का एक प्रवक्ता तथा सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट के सीईओ पद के लिये बड़ी संख्या में आवेदन आने की वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए मांगा गया एक माह का अतिरिक्त समय देने पर भी सहमति बनी, साथ ही इस कार्य में हो रहे देरी को देखते हुए एक सचिव की नियुक्ति का फैसला लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने सावन के महीने में श्रद्धालुओं की संख्या में संभावित बढ़ोत्तरी के लिए की गई तैयारियों, ट्रस्टी के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में हुई प्रगति और कई प्रशासनिक व वित्तीय मुद्दों की समीक्षा की। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि ट्रस्टी मंडल ने अनियमितताएं सामने आने के बाद बैंक की प्रक्रिया और गंभीरता के अभाव पर निराशा प्रकट की है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों पर और मानक प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार कर समुचित निर्णय लेने को कहा है।

फिर लौट रहा कोरोना ! नए मामलों ने बढ़ाई टेंशन, अस्पतालों ने की तैयारी

–10 नए मामले से मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग ने भी निगरानी बढ़ाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोरोना के नए मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण भारत में खासतौर पर एक बार फिर कोविड-19 के कुछ और मामलों के सामने आने से डर बढ़ गया है। पहले से ही 39 कोरोना मामलों को झेल रहे आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 10 नए मामले सामने आए हैं और कुल केस 49 हो गए हैं। इससे कोरोना की नई लहर आने का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश में कोविड-19 का कहर शुरू होने के साथ ही उत्तर भारत में भी कुछ केस सामने आए हैं। हालांकि इससे मौतें अभी तक दक्षिण भारत में ही हुई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंध्रप्रदेश में 10 नए मामले सामने आने से आसपास हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने बुलेटिन में जानकारी देते हुए बताया है कि अब इस राज्य में कुल मामले बढ़कर 49 हो गए हैं। खास बात है कि ये मामले कई शहरों के हैं, ऐसे में यह डर भी सता रहा है कि कोरोना

का दायरा एक शहर न होकर कई शहरों तक फैल गया है। बुलेटिन के मुताबिक 10 नए मामलों में से 3 गुंटूर जिले से, 2 एनटीआर जिले से और 1-1 मामला अल्लूरी सीताराम राजू, एलुरु, कृष्णा, तिरुपति और विशाखापत्तनम जिलों से हैं। इस राज्य में अभी तक 302 संदिग्ध सैंपलों की जांच की गई है, जिसमें से 49 पॉजिटिव निकल चुके हैं। जहां तक कोरोना के आउटब्रेक का मामला है तो सबसे ज्यादा मामले पूर्वी गोदावरी से हैं और यहां 11 केस मिले हैं। इसके बाद गुंटूर में 9, कडपा में 8, विशाखापत्तनम में 5 और एनटीआर में 3 मामले हैं। काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले हैं, जबकि कुछ अन्य जिलों में 1-1 मामला दर्ज हुआ है।

इन सभी 49 कोविड मरीजों में 24 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और इनका इलाज चल रहा है। जबकि 16 मरीज कोविड के माइल्ड लक्षणों के साथ घर पर आइसोलेशन में हैं। अभी तक 5 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं. जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल रोजाना नए मामले मिलने के चलते प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और स्वास्थ्य विभाग ने भी अलग-अलग जिलों में निगरानी बढ़ा दी है। जिला रैपिड रिस्पॉन्स टीमें भी मरीजों की हालत को बारीकी से देख रही हैं और उनसे जुड़े लोगों को ट्रैक कर रही हैं ताकि उनके संपर्क में आए लोगों का पता चल सके और उनकी भी जांच की जा सके। विभाग का कहना है कि मरीजों की जांच के लिए आरटी-पीसीआर किट उपलब्ध हैं। अस्पतालों में कोविड की तैयारियां चाक-चौबंद की जा रही हैं।

विजय के बाद धनुष के राजनीति में एंट्री के संकेत?

-समाज सेवा की अपील के बाद राजनीतिक गलियारे में अटकलें हुईं तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और निर्देशक धनुष के राजनीति में आने की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। हाल ही में आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में उन्होंने अपने प्रशंसकों से समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके संभावित राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

रविवार को धनुष के प्रशंसकों की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में अभिनेता ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का एक मंच पर एकत्र होना अपने आप में बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस एकजुटता को केवल फिल्मी आयोजनों, ऑडियो लॉन्च या फैन मीट तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में धनुष ने प्रशंसकों से अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर हर संभव मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि उनके प्रशंसक समाज के लिए सकारात्मक कार्य करेंगे तो उन्हें उन पर और अधिक गर्व होगा। अभिनेता के इस संदेश का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने अनुमान लगाया कि अभिनेता थलपति विजय की तरह धनुष भी भविष्य में राजनीति का रुख कर सकते हैं। कुछ लोगों ने लिखा कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नई और सशक्त आवाज की जरूरत है, जबकि कुछ ने यहां तक कयास लगाए कि धनुष जल्द अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, धनुष ने अपने संबोधन में कहीं भी राजनीति में प्रवेश या किसी राजनीतिक दल के गठन का ऐलान नहीं किया। उनकी ओर से केवल समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। ऐसे में उनके राजनीति में आने की चर्चाएं फिलहाल केवल अटकलों तक ही सीमित हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के राजनीति में आने की लंबी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता थलपति विजय के राजनीतिक सफर की शुरुआत के बाद अब धनुष को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर स्थिति तभी स्पष्ट होगी जब वह स्वयं इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा करेंगे।

सोची समझी रणनीति है प्रधान का इस्तीफा, अब होगा बड़ा सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में भड़के छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आंदोलन की शुरुआत से ही छात्र इसकी मांग कर रहे थे। अपने फैसलों पर अडिग रहने के लिए मशहूर सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर छात्रों के दबाव के आगे कदम पीछे खींचने पड़े हैं। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र के इस कदम के पीछे असंतोष को शांत करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने की एक सोची-समझी रणनीति है।

सरकार का मुख्य उद्देश्य छात्रों के असंतोष और गुस्से को किसी भी राजनीतिक या देश-विरोधी ताकतों द्वारा भुनाए जाने से रोकना था। केंद्र सरकार ने प्रमुख राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को अपनी विफलता के रूप में स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना था कि प्रभावित छात्रों द्वारा उठाई गई चिंताएं और मांगें पूरी तरह से जायज थीं, जिसके चलते जवाबदेही तय करते हुए यह इस्तीफा स्वीकार किया गया।

अपने इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने एक भावुक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि बीते दिनों के घटनाक्रम ने उन्हें गहराई से दुखी किया है और यह मुद्दा उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे नहीं चाहते कि कोई भी देश-विरोधी ताकतें इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाएं। देश की एकता अक्षुण्ण रहनी चाहिए और किसी भी मासूम छात्र का भविष्य कानूनी उलझनों में नहीं फंसना चाहिए। छात्र अपना बहुमूल्य समय पढ़ाई और करियर बनाने में लगाएं, इसी सोच के साथ उन्होंने अपना त्यागपत्र सौंपा।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सरकार पहले दिन से ही इस बात को लेकर बेहद गंभीर थी कि आंदोलनकारी छात्रों का इस्तेमाल राजनीतिक मोहरे के रूप में न किया जाए। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग को पूरा करके सरकार का उद्देश्य यही था कि छात्र लंबे समय तक चलने वाले आंदोलनों को छोड़कर वापस अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। इस कदम से जंतर-मंतर जैसे प्रमुख स्थानों पर जारी विरोध-प्रदर्शनों को शांत करने में मदद मिलेगी। तात्कालिक राजनीतिक गतिरोध समाप्त होने के बाद अब केंद्र सरकार का पूरा ध्यान परीक्षा प्रणाली में बड़े और संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित हो गया है। भावी योजनाओं के तहत राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं को चरणबद्ध तरीके से कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) फॉर्मेट में ट्रांसफर किया जाएगा ताकि पेपर लीक की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सके। साथ ही राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की निगरानी को भी और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

कई दिनों की गिरावट के बाद सोना-चांदी फिर चमके

चांदी 2300 और सोना 658 रुपए महंगा हुआ

मुंबई ।

सोने और चांदी के दामों में सप्ताह के पहले`` दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखी गई, जिससे इन बहुमूल्य धातुओं को पिछले कई दिनों से जारी गिरावट से राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी 2300 रुपए उछलकर कारोबार कर रही है, जबकि सोना भी 658 रुपए महंगा हो गया है। विशेषज्ञों ने अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी को इस तेजी की मुख्य वजह बताया है। सोमवार के कारोबार में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी 2300 रुपए की बढ़त के साथ 2,24,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं, सोना 658 रुपए चढ़कर 1,43,764 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड रेट 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 4,091 डॉलर प्रति औंस पर देखा गया, जबकि चांदी 1.31 फीसदी बढ़कर 59.68 रुपए प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। निवेशकों और खरीदारों के लिए, 22 कैरेट सोने का भाव 1,32,840 से 1,32,990 प्रति 10 ग्राम के बीच है, जिससे 1 तोला (11.66 ग्राम) 22 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,54,900 से 1,55,100 के बीच बैठती है।

वहीं, 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,920 से 1,45,080 प्रति 10 ग्राम है, जिसके आधार पर 1 तोला 24 कैरेट सोने की कीमत करीब 1,68,900 से 1,69,100 रुपए के आसपास है। सोने के दाम शहर और ज्वेलर्स के हिसाब से थोड़े अलग हो सकते हैं, और ज्वेलरी खरीदते समय मेकिंग चार्ज, जीएसटी व अन्य शुल्क अलग से जोड़े जाते हैं।

गोल्ड जूलर मास्टर चेन्स 400 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास पहुंचा

नई दिल्ली ।

स्वर्ण आभूषण विनिर्माता और थोक वितरक कंपनी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स लिमिटेड ने पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। प्रस्तावित आईपीओ में 400 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, साथ ही एक प्रमोटर द्वारा 59.06 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। कंपनी द्वारा दाखिल दस्तावेजों के अनुसार नए शेयरों के निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स अपनी विनिर्माण क्षमता और व्यापक थोक वितरण नेटवर्क के माध्यम से देशभर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करती है। कंपनी के पास 80,000 से अधिक आभूषण डिजाइनों का एक विस्तृत संग्रह है।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशिया के अधिकांश शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 225 करीब 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स लगभग 0.58 फीसदी जबूत रहा। अमेरिकी बाजारों में बीते शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। डॉव जोंस 0.46 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.05 फीसदी की मामूली तेजी रही। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 776, निफ्टी 228 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही थी जिससे अब बाजार उबर गया है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 776.01 अंक बढ़कर 76,835.78 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228.50 अंक उछलकर 23,995.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान 2646 शेयरों में तेजी रही जबकि 1530 शेयर गिरे जबकि 176 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया।

निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में रही। वहीं एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक और डॉ. रेड्डीज लैब्स के शेयरों में बढ़त रही। आज निफ्टी मीडिया में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी और निफ्टी रियल्टी का नंबर आता है जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा में अधिक बढ़त नहीं रही।

अन्य सेक्टरों की बात करें तो निफ्टी एफएमसीजी के अलावा निफ्टी बैंक और निफ्टी इंफ्रा में 0.66 फीसदी, व निफ्टी मेटल के शेयरों में बढ़त रही। व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 में 1 फीसदी की बढ़त रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.3 फीसदी की तेजी आई।

वहीं आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उछाल आया। सुबह शुरुआत में निफ्टी 50 156 अंक की बढ़त के साथ 23,923.05 के स्तर पर कारोबार किया। वहीं सेंसेक्स 537 अंक चढ़कर 76,596.31 पर पहुंच गया। यह बढ़त इस उम्मीद पर आधारित थी कि मध्य-पूर्व में सैन्य टकराव टल गया है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।

कच्चे तेल में भारी गिरावट, ब्रेंट 90 डॉलर के नीचे

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम, महंगे ईंधन के खतरे से भारत को मिली फौरी राहत

नई दिल ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव में नरमी के संकेतों के बीच वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच एक-दूसरे पर रोक रहने से कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ गई हैं,

जिससे दुनियाभर में महंगे पेट्रोल-डीजल के बढ़ते खतरे को फौरी राहत मिली है।

सोमवार को इंट्राडे में ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसलकर करीब 6.34 फीसदी टूट गया, वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी लगभग 6.31 फीसदी गिरकर 84.73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक महीने में 20 फीसदी उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल पार करने के बाद यह राहत भरी गिरावट आई है। यह गिरावट पश्चिम एशिया में तनाव कम होने का सीधा परिणाम है।

लगातार 13 रातों के हवाई हमलों के बाद पिछले दो दिन से खाड़ी देशों में शांति है। ईरान ने भी कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। ईरान समर्थित हूतियों के सऊदी अरामको पर हमले के दावे की पुष्टि न होने से भी बाजार ने राहत महसूस की।

अब तकनीकी रूप से बाजार ओवरबॉट जोन से बाहर आकर सामान्य होता दिख रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय रुपया सोमवार को 68 पैसे बढ़कर 95.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 96.57 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सोमवार को 96.18 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि शुरुआती बढ़त का कुछ हिस्सा गंवाने के बाद यह 96.28 प्रति डॉलर पर कारोबार करता देखा गया। इसके बावजूद यह पिछले बंद भाव की तुलना में 28 पैसे की बढ़त में रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट और अमेरिका तथा ईरान की ओर से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलने के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक भी ऊंचे स्तर से नीचे आया, जबकि घरेलू शेयर बाजार में मजबूत लिवाली का रुख देखने को मिला, जिससे स्थानीय मुद्रा को और मजबूती मिली। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.04 पर आ गया।

पतंजलि आटे में कीटनाशक की मात्रा ज्यादा पाई गई, कंपनी ने खेप वापस बुलाई

शेयर 37 फीसदी से ज्यादा गिरे, यह 552 से अब 344 रुपए के आसपास आ गया

मुंबई, ।

बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स के एक ब्रांडेड गेहूं के आटे की खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला जिसके कारण आटे की खेप वापस बुलानी पड़ी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच में इस आटे में कीटनाशक की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। यह आदेश केरल के कोट्टायम में खाद्य सुरक्षा सहायक आयुक्त के कार्यालय की ओर से जारी किया गया था। दरअसल, इस खेप में क्लोरपायरीफोस नामक कीटनाशक का अंश अधिकतम तय लिमिट से कहीं ज्यादा निकला, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिकॉल का आदेश 20 जुलाई को जारी हुआ था और पतंजलि फूड्स को यह 24 जुलाई को प्राप्त हुआ। कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि इस प्रभावित खेप का बैच नंबर क्या है, कितनी मात्रा में आटा प्रभावित हुआ है,

और यह आटा किन बाजारों में बेचा गया था।हालांकि, पतंजलि फूड्स ने यह भी कहा कि इस रिकॉल का उनके वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, सिवाय उस प्रभावित खेप के मूल्य के, जिसे वापस मंगाया जा रहा है। पतंजलि फूड्स के लिए यह साल अच्छा नहीं जा रहा, खासकर इसके शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों का। पतंजलि फूड्स के शेयर इस साल अबतक 37 फीसदी से ज्यादा गिरे। यह 552 रुपए से अब 344 रुपए के आसपास आ गया। बाजार में कंपनी के आटे की खेप को मार्केट से वापस लेने की जानकारी के बाद पतंजलि फूड का शेयर सोमवार सुबह एक प्रतिशत से ऊपर चढ़कर 344.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। सोमवार को शुरुआती कारोबार में पतंजलि फूड्स के शेयर 341 रुपए प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे। हालांकि पिछले कुछ हफ्तों में शेयर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

बीती 15 जुलाई को ही कंपनी के शेयर में जनवरी 2020 के बाद से एक ही दिन में सबसे बड़ी गिरावट आई थी।

किआ की भारतीय बाजार में हाइब्रिड क्रांति की तैयारी

हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ पेश करेगी माइलेज-फ्रेंडली कारें

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए दक्षिण कोरियाई कार निर्माता किआ भारत में अपने हाइब्रिड लाइनअप को आक्रामक रूप से विस्तार देने की तैयारी में है।

पेट्रोल-डीजल की ऊंची लागत और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सीमित चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते, कंपनी आने वाले वर्षों में प्रीमियम एसयूवी से लेकर कॉम्पैक्ट और एमपीवी सेगमेंट तक कई स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पेश करने की रणनीति पर काम कर रही है। किआ अपनी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय एसयूवी सोरेंटो हाइब्रिड के साथ भारतीय प्रीमियम सेगमेंट में प्रवेश करेगी, जिसमें 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। यह कार बेहतर माइलेज और फीचर्स चाहने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगी।

इसके बाद कंपनी अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी का हाइब्रिड संस्करण लाने पर विचार कर रही है। मारुति ग्रैंड विटारा और टोयोटा हाइराइडर जैसी हाइब्रिड गाड़ियों के बढ़ते दबदबे को देखते हुए,

इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम दिया जा सकता है, जो शानदार पिकअप और माइलेज प्रदान करेगा। एमपीवी सेगमेंट में, किआ कैरेंस और उसके आगामी वेरिएंट्स में भी हाइब्रिड पावरट्रेन मिल सकता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा और वाणिज्यिक उपयोग के लिए रनिंग कॉस्ट में कमी आएगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सोनट के अगली पीढ़ी के मॉडल में 1.2-लीटर पेट्रोल-बेस्ड स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सेटअप की योजना है, जो शहरी ट्रैफिक में ईंधन दक्षता को दोगुना कर देगा। ऑटो विशेषज्ञों का मानना है.

कि ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और रेंज एंग्जाइटी जैसी चुनौतियों के बीच, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक ग्राहकों को शानदार माइलेज और कम उत्सर्जन का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।

टेलीकॉम डेटा अब सिर्फ भारत में ही होगा स्टोर

दूरसंचार विभाग ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत जारी किए नए नियम

मुंबई ।

केंद्र सरकार ने डिजिटल सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत नए नियम लागू किए हैं, जिनके अनुसार अब टेलीकॉम नेटवर्क से जुड़ा कोई भी डेटा भारत के बाहर स्टोर या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और संवेदनशील जानकारी को देश के भीतर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। नए नियमों के तहत, कॉल, मैसेज और नेटवर्क से जुड़ी सभी जानकारी अब देश के भीतर ही सुरक्षित रखनी होगी। मोबाइल टॉवर कंपनियों, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं और क्लाउड नेटवर्क सेवा देने वालों को डेटा भारतीय सर्वर पर ही स्टोर करना अनिवार्य होगा।

इससे संवेदनशील डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई आसान बनेगी। जरूरत पड़ने पर सरकार को किसी भी नेटवर्क की जांच और ऑडिट का अधिकार होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में बिना पूर्व सूचना कार्रवाई संभव होगी। इन नियमों का असर डेटा सेंटर उद्योग पर भी पड़ेगा, जिससे नए डेटा सेंटर और निवेश-रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बैंक अगस्त में 14 दिन बंद रहेंगे, जा निए कब-कब रहेगा अवकाश

स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन समेत कई त्योहारों और साप्ताहिक अवकाशों से कामकाज रहेगा प्रभावित

नई दिल लि ।

अगर आप अगस्त में बैंक जाकर ड्राफ्ट बनवाने या चेक क्लियरेंस जैसा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो अपने प्लान पर फिर से विचार कर लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, अगले साल अगस्त में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा, जिससे ग्राहकों को असुविधा हो सकती है। ये अवकाश साप्ताहिक छुट्टियों (रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार) के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन जैसे बड़े राष्ट्रीय पर्वों और विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों के चलते होंगे। इसका मतलब है कि लगभग आधा महीना बैंकों में कामकाज नहीं होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई या एक्सिस बैंक सहित सभी प्रमुख बैंकों की शाखाएं इन दिनों बंद रहेंगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, अलग-अलग राज्यों के हिसाब से छुट्टियों की तारीखों में थोड़ा बदलाव हो सकता है। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे असुविधा से बचने के लिए अपने बैंकिंग कार्य समय से पहले ही निपटा लें, ताकि किसी भी जरूरी काम में देरी न हो।

अगस्त 2026 में कब-कब बंद रहेंगे बैंक

- 2 अगस्त (रविवार)~ साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 4 अगस्त~ केर पूजा की वजह से केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 अगस्त (शनिवार)~ महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश।
- 9 अगस्त (रविवार)~ पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 13 अगस्त~ पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद.
- 15 अगस्त (शनिवार)~ स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी।
- 16 अगस्त (रविवार)~ पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 19 अगस्त~ महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की वजह से अगरतला में बैंक बंद।
- 22 अगस्त (शनिवार)~ महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी।
- 23 अगस्त (रविवार)~ पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।
- 25 अगस्त~ मिलाद-उन-नबी / पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे)।
- 26 अगस्त~ ईद-ए-मिलाद / तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।
- 28 अगस्त~ रक्षाबंधन / श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक अवकाश।
- 30 अगस्त (रविवार)~ पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी।

एटीएम रहेंगे चालू, ऑनलाइन सर्विस भी नहीं होगी बंद~ भले ही बैंकों के ताले लटके रहेंगे, लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं है। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं बिना रुकावट चलती रहेंगी। एटीएम कैश निकालने और जमा करने के लिए चालू रहेंगे। मोबाइल ऐप और इंटरनेट बैंकिंग से लेन-देन पहले की तरह आराम से कर सकेंगे। फंड ट्रांसफर के लिए आईएमपीएस और नीट जैसी सुविधा भी जारी रहेगी।

फ्लिपकार्ट की एंट्री से फूड डिलीवरी बाजार में हलचल, स्विगी-जोमैटो के शेयर धड़ाम

मुंबई, ।

भारत के ऑनलाइन फूड डिलीवरी बाजार में जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में एक बड़ा बदलाव आया है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट ने क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा कर मौजूदा खिलाड़ियों स्विगी और जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल के निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस घोषणा के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की आशंका को दिखाता है।

फ्लिपकार्ट ने अगले कुछ हफ्तों में बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के साथ अपनी ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। इस कदम से निवेशकों में आशंका पैदा हो गई है कि अब तक इस क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनियों को भविष्य में कीमतों और कमीशन को लेकर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी पूंजी और तकनीकी क्षमता वाली कंपनी के आगमन से बाजार में डिस्काउंट और कमीशन वॉर तेज होने की उम्मीद है।

फ्लिपकार्ट की घोषणा के बाद स्विगी के शेयरों में इंट्राडे कारोबार के दौरान करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट की एक वजह निवेशकों की मुनाफावसूली भी रही। इसके अतिरिक्त, स्विगी द्वारा विदेशी शेयरधारिता की सीमा को 49.5 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से कंपनी कुछ विदेशी सूचकांकों से बाहर हो सकती है, जिससे विदेशी निवेश में निकासी का जोखिम बढ़ सकता है।

जोमैटो की मूल कंपनी इटरनल पर भी फ्लिपकार्ट की संभावित एंट्री का असर दिखा, और उसके शेयरों में कारोबार के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई। निवेशकों का मानना है कि पूंजी और तकनीकी क्षमता से लैस फ्लिपकार्ट के बाजार में उतरने से मौजूदा कंपनियों के लिए ग्राहकों को बनाए रखना और अपनी बाजार हिस्सेदारी को सुरक्षित रखना अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।

एनटीपीसी को घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ जुटाने बोर्ड की हरी झंडी

कंपनी नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर के जरिए करेगी फंडरेज़, शेयरधारकों की मंजूरी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी (एनटीपीसी) ने अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी के बोर्ड ने घरेलू बाजार से 12,000 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए पहले शेयरधारकों की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह फंड विभिन्न विस्तार परियोजनाओं और पूंजीगत खर्चों के लिए उपयोग किया जा सकता है। एनटीपीसी यह राशि नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके जुटाएगी। कंपनी के पास सिक्योर्ड या अनसिक्योर्ड, टैक्सेबल या टैक्स-फ्री और क्यूमुलेटिव या नॉन-क्यूमुलेटिव एनसीडी जारी करने का विकल्प होगा, जो बाजार की परिस्थितियों और कंपनी की जरूरतों पर निर्भर करेगा। यह पूरा फंड घरेलू बाजार से प्राइवेट प्लेसमेंट के माध्यम से अधिकतम 12 अलग-अलग किश्तों (ट्रेंच) में जुटाया जाएगा, जिससे कंपनी अपनी जरूरत के हिसाब से पूंजी आकर्षित कर सकेगी। कंपनी के अनुसार, यह फंड जुटाने की योजना शेयरधारकों द्वारा विशेष प्रस्ताव के तहत मंजूर होने के बाद प्रभावी होगी। इसके बाद, कंपनी एक साल की अवधि तक या वित्त वर्ष 2027-28 की अगली सालाना आम बैठक तक, जो भी पहले हो, एनसीडी जारी कर सकेगी। प्रत्येक किश्त में जारी होने वाले एनसीडी की अवधि, ब्याज दर, सिक्योरिटी स्ट्रक्चर और लिस्टिंग जैसी शर्तें जारी करने के समय तय की जाएंगी।

आईफोन 18 प्रो सीरीज~ सुधार पर जोर, कीमत बढ़ने की आशंका!

मुंबई ।

एप्पल की अगली पीढ़ी के आईफोन 18 प्रो सीरीज~ को लेकर इंटरनेट पर अफवाहों का बाजार गर्म है। हालांकि कंपनी ने कोई पुष्टि नहीं की है, लीक रिपोर्ट्स में इसके संभावित डिज़ाइन, डिस्प्ले, प्रोसेसर और कैमरा से जुड़े अहम खुलासे हुए हैं।` रिपोर्ट के अनुसार आईफोन 18 प्रो का डिज़ाइन मौजूदा मॉडल जैसा ही रहेगा, लेकिन कुछ नए कलर ऑप्शन और छोटे डायनामिक आइलैंड देखने को मिल सकते हैं, जिसमें फेस आईडी सेंसर डिस्प्ले के नीचे होंगे। डिस्प्ले में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे बिजली की खपत कम होगी और बैटरी लाइफ बेहतर होगी। स्क्रीन का आकार पहले जैसा रहने की संभावना है। परफॉर्मेंस के लिए इसमें एप्पल का अगला ए20 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो टीएसएमसी की 2 नैनोमीटर तकनीक पर आधारित होगा। यह चिपसेट मौजूदा मॉडल से तेज़ और ज़्यादा पावर एफिशिएंट होगा, जिससे एआई फीचर्स और मल्टीटास्किंग बेहतर होगी। कैमरे में वेरिएबल अपर्चर के साथ बेहतर मेन लेंस और सुधारित टेलीफोटो कैमरे की संभावना है, जिससे कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें मिलेंगी। हालांकि, सबसे बड़ी चर्चा इसकी कीमत को लेकर है, जो मेमोरी और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण पिछले मॉडल के मुकाबले बढ़ सकती है। यह सभी जानकारियां अभी लीक पर आधारित हैं, और एप्पल की आधिकारिक घोषणा के बाद ही पूरी तस्वीर साफ होगी।

जूनिपर ग्रीन एनर्जी आईपीओ का मूल्य दायरा तय

1800 करोड़ का निर्गम 214-225 रुपये प्रति शेयर के दायरे में

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा घोषित कर दिया। यह निर्गम 30 जुलाई को खुलकर 3 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 214-225 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, जिससे 1,800 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। ऊपरी मूल्य दायरे पर इसका बाजार पूंजीकरण करीब 12,802 करोड़ रुपये आंका गया है। यह आईपीओ पूरी तरह नए इक्विटी शेयरों का है। निर्गम का 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है।

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताजा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आजमाएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्ञ रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े – जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप जोनफ्ञ बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

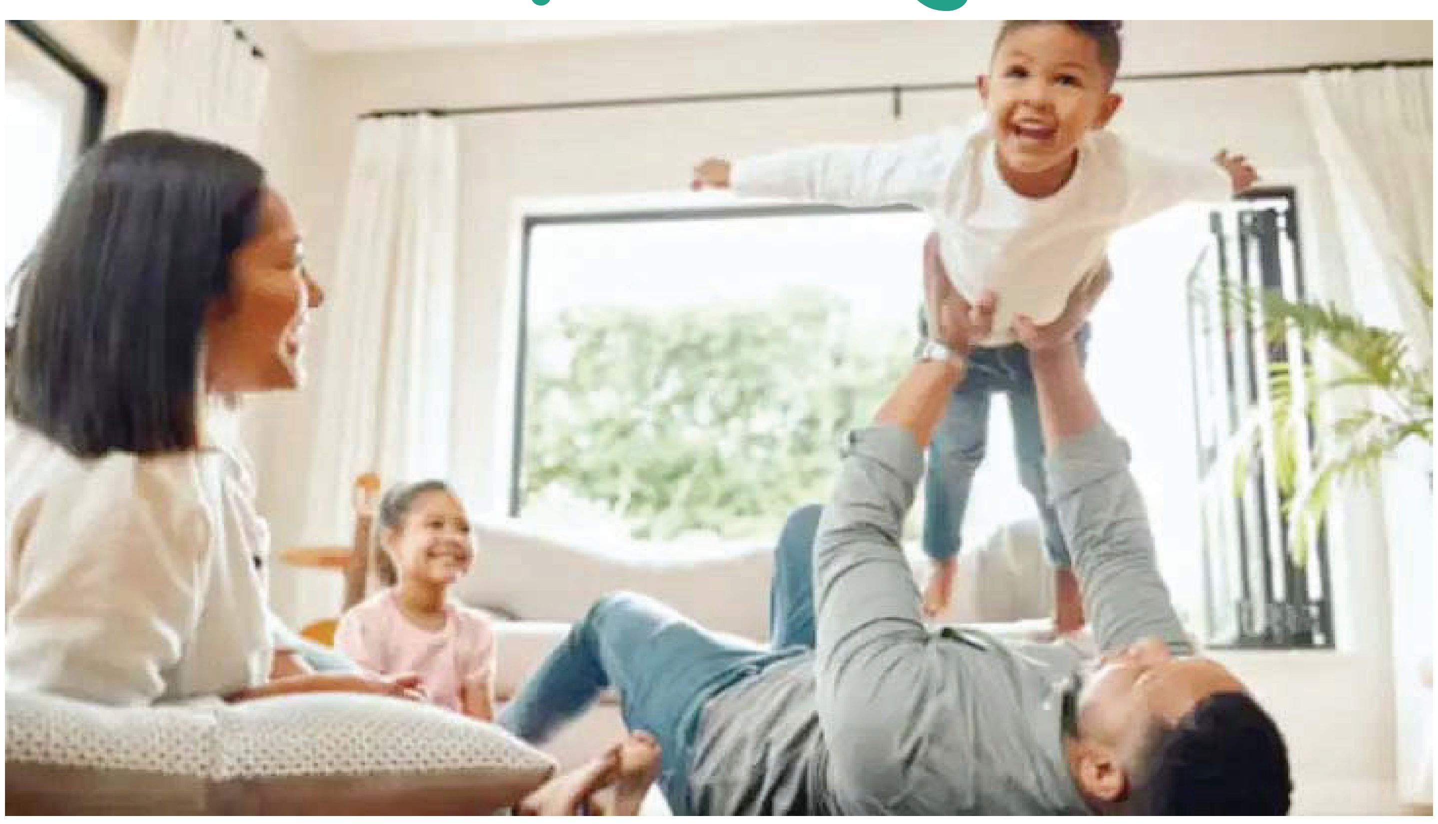

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

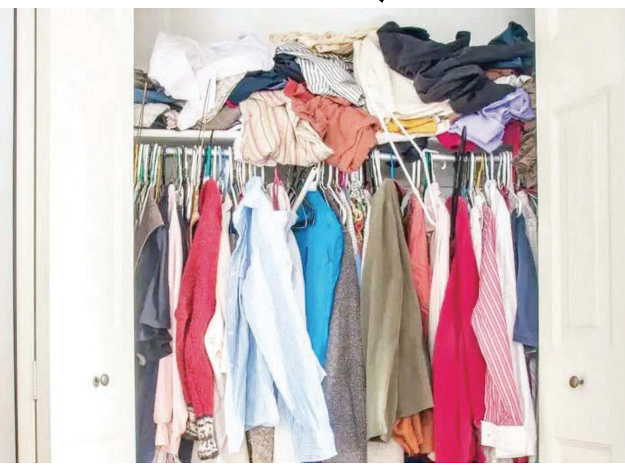

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोजमर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है – क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

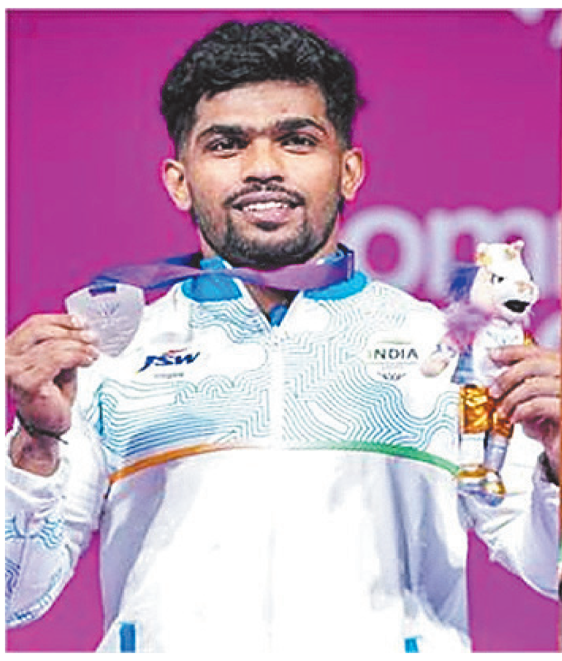

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में हुए वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर साइराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

सुनिधि के लिए नहीं रियलिटी शो

सुनिधि चौहान बॉलीवुड की सबसे चर्चित गायिकाओं में से एक हैं। गायिकी के अलावा वह कई सिंगिंग रियलिटी शोज को भी जज कर चुकी हैं। उनके फैंस जानना चाहते हैं कि उन्होंने शोज को जज करना क्यों छोड़ दिया है? इस पर गायिका ने बात की है।

सुनिधि चौहान ने शेखर टुनाइट शो में रियलिटी शोज को छोड़ने को लेकर कहा 'मैं बहुत लंबे समय तक इसका हिस्सा रही। लेकिन फिर मैंने इसे छोड़ दिया क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी जगह नहीं है।'

सुनिधि ने जताया एतराज

उन्होंने कहा यह बहुत दुखद बात है। पहले, ऑटो-ट्यून या मेलोडाइन का इस्तेमाल गानों में किसी खास इफेक्ट के लिए किया जाता था। लेकिन आप ऐसा रियलिटी शो में नहीं कर सकते, जहां आपको पूरी तरह से असली और बातचीत इस ओर भी बढ़ी कि लाइव परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर्स को कभी-कभी किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शेखर ने केके और सोनू निगम जैसे आर्टिस्ट्स से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया और सुनिधि से पूछा कि क्या उन्हें कभी स्टेज पर अपमानजनक या असहज व्यवहार का सामना करना पड़ा है। इस पर सुनिधि ने कहा 'मैं बहुत किस्मत वाली हूं क्योंकि आज तक मेरे साथ ऐसा बर्ताव नहीं हुआ है।

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई

रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। बातचीत में माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, ''राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।'' उन्होंने कहा, ''दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।'' माधुरी ग्रोवर ने बताया कि राम कपूर के साथ उनकी बातचीत सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके अनुभवों से सीखने की कोशिश करती थीं। उन्होंने राम कपूर को इंडस्ट्री का अनुभवी कलाकार बताते हुए कहा कि उनके पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। बता दें कि माधुरी ग्रोवर 'लॉक अपः सच या सजा' के दूसरे सीजन से बाहर होने वाली हालिया कंटेस्टेंट हैं। शो के दौरान उनकी और राम कपूर की बातचीत दर्शकों को काफी पसंद आई थी। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस रियलिटी शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं।

नैना सरीन ने बताया 'राख' में पारसी किरदार निभाने के लिए कैसे की तैयारी

अभिनेत्री नैना सरीन इन दिनों अपनी सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक पारसी महिला का किरदार निभाया है, जिसकी तैयारी को लेकर उन्होंने अपना अनुभव साझा किया है।

ऑडिशन और किरदार की तैयारी

नैना ने बताया कि जब उन्हें इस सीरीज 'राख' के लिए ऑडिशन का बुलावा आया, तो उनका सीन काफी छोटा था। इसके बावजूद उन्हें समझ आ गया था कि यह किरदार कहानी के लिए बहुत जरूरी है। रोल को पूरी सच्चाई से निभाने के लिए उन्होंने पारसी बोलने के तरीके से लकर पहनावे तक का ध्यान रखा।

बोलने और पहनावे का खास तरीका

नैना ने सीरीज 'राख' के लिए पारसी लोगों के बोलने के अंदाज को समझने के लिए कई वीडियो देखे। इसके अलावा उन्होंने पहनावे पर भी ध्यान दिया। चूंकि यह कहानी पुराने दौर पर आधारित है, इसलिए वह ऑडिशन देने भी उसी जमाने के कपड़ों में गईं।

शूटिंग के दौरान आई कई चुनौतियां

नैना के अनुसार, इस रोल के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। सीन्स को बेहतरीन बनाने के लिए कई बार रीटेक लेने पड़े, जिसमें काफी ऊर्जा लगती थी। हर बड़े सीन की शूटिंग से पहले वह डायरेक्टर और अपने को-एक्टर्स के साथ मिलकर सीन को अच्छे से समझती थीं। सेट पर एक इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर भी मौजूद थे, जिन्होंने शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा।

'राख' सीरीज के बारे में

इस सीरीज में नैना सरीन के अलावा अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर जैसे बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। यह पूरे 8 एपिसोड वाली एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है।

ऋतिक रोशन से प्रेरणा लेकर निभाया 'गुल्लक-5' में डॉ. पृथ्वी का किरदार

अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा टीवीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक -5' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीजन में उन्होंने डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका को लेकर अभिनेता ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार से प्रेरणा (सीख) लेने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, 'निर्देशक अभय राउत ने मुझे इस किरदार को निभाने के लिए बहुत आसान निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार के अंदाज और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना, लेकिन उसकी नकल बिल्कुल नहीं करनी है।

अभिनेता ने कहा, 'डॉ. पृथ्वी दत्ता अपने काम को लेकर बेहद गंभीर और हमेशा नंबर 1 बनने की कोशिश करता है, लेकिन अपनी इसी महत्वांकाक्षा का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ता है, जैसा कि 'गुल्लक 5' के आखिरी एपिसोड में देखने को मिलता है।' एक्टर ने बताया कि कई स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन ने उन्हें लिखे हुए सीन से आगे डॉ. पृथ्वी की पर्सनैलिटी को समझने में मदद की। उन्होंने कहा, 'कई बार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद समझ में आया कि मेरा किरदार साफ-सफाई और सेहत को लेकर काफी सजग है। इस वजह से पहले सीन में अनु (अनंत जोशी द्वारा निभाया गया किरदार) से बात करते हुए मेरा डायलॉग आता है, 'यार, हाथ तो धो लिए हैं, लंच के बाद ही हाथ मिलाते हैं।'

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार की इसी खासियत को आजमाते हुए एक लाइन जोड़ी, जो स्क्रिप्ट में नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैंने जोड़ा था कि पृथ्वी, डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलता है, ताकि उसे कीटाणु न लगें। वह इसी अंदाज और सोच के साथ केबिन में आता है और पूरे सीन में यह बात नजर आती है। वहीं, पृथ्वी और डॉ. प्रीति एक-दूसरे से अलग होते हैं। पृथ्वी अपनी फिटनेस और सेहत को लेकर इतना सजग है, तो डॉ. प्रीति छोले-भटूरे और समोसे देखकर खुश हो जाती हैं।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था, आज उसी फैसले पर गर्व है

एक वक्त था, जब ज्यादातर लोग राघव जुयाल को डांसर, एंकर या टीवी चेहरे के तौर पर जानते थे। फिर साल 2024 में आई फिल्म 'किल'। इसमें निभाए उनके किरदार ने न सिर्फ ऑडियंस को चौंकाया, बल्कि इंडस्ट्री को भी उन्हें नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर दिया। अब राघव पहली बार फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में लीड हीरो बनकर बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। हालांकि, इस पूरे सफर में अगर कोई चीज उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह माता-पिता के चेहरे पर दिखने वाला गर्व है। बातचीत में राघव ने अपने 16 साल लंबे संघर्ष, 'किल' के बाद बदली पहचान, मलयालम अभिनेता फहाद फासिल के मैसेज, पहली लीड फिल्म और परिवार के साथ जुड़ी भावुक यादों पर खुलकर बात की।

'किल' के बाद पहली बार लगा कि लोगों की नजर बदल गई

राघव कहते हैं कि संघर्ष उन्होंने पहले भी किया था, लेकिन 'किल' के बाद पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। 'जब आप एक कदम आगे बढ़ते हो तो सबको प्रूव करना पड़ता है। मां-बाप को भी और इंडस्ट्री को भी। मुझे भी प्रूव करना पड़ा। 'किल' के बाद मेरे लिए लोगों का परसेप्शन रातों-रात बदल गया। ऐसा बदलाव मैंने अपने एक्सपीरियंस में पहले कभी नहीं देखा था। कपिल शर्मा भाई ने भी मुझसे कहा था कि 'जो परसेप्शन चेंज तू कर रहा है, वो बहुत अलग है।' टीवी इंडस्ट्री के जितने भी लोग थे, सबने फोन किया। सब कह रहे थे कि पता नहीं क्यों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि हमने भी ये क्रैक कर दिया। वो इमोशन मेरे लिए बहुत बड़ा था।'

16 साल तक साइड में रहा, लेकिन खुद पर भरोसा नहीं छोड़ा

राघव मानते हैं कि उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत टैलेंट से पहले आत्मविश्वास रहा। 'यही चीज मुझे मोटिवेट करती रही कि मैं हमेशा अपने ऊपर भरोसा करता रहा। इतने साल साइड में रहा, लेकिन मेरे अंदर से कभी ये चीज नहीं गई कि मुझे यही बनना है। मैं कभी मीडियोकर माइंडसेट में नहीं रहा। 16 साल बहुत लंबा वक्त होता है, लेकिन जब तुम अंदर से सोच लेते हो कि तुम यही हो, तो धीरे-धीरे बाहर भी वही होने लगता है।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था

राघव बताते हैं कि जब उन्होंने टीवी छोड़कर फिल्मों पर दांव लगाया, तब यह फैसला आसान नहीं था। 'जब मैं देहरादून से मुंबई आया था, तब मम्मी-पापा को भी नहीं पता था कि यहां क्या होगा। उस समय उनका सपोर्ट वैसा नहीं था, क्योंकि उन्हें इस दुनिया की समझ नहीं थी। लेकिन बाद में जब मैंने टीवी छोड़ने का रिस्क लिया, तब मैं खुद हैरान था कि वो मेरे साथ खड़े रहे। पैसे भी खत्म होने लगे थे, फिर भी उन्होंने मेरा साथ नहीं छोड़ा।

आज वो सबसे ज्यादा खुश हैं। रोज लोगों को बताते हैं कि फिल्म आ रही है।' उनके चेहरे की खुशी देखकर लगता है कि 16 साल की मेहनत आखिर रंग ले आई।'

अब बारी लोगों को हंसाने की......

संघर्ष और सफलता की बातें करने के बाद राघव अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' पर आते हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का नाम भी आम बोलचाल की उसी भाषा से निकला है, जो छोटे शहरों की पहचान है। 'फिल्म का टाइटल 'भाई तेरा स्टार है' है। हर शहर में हर कोई अपने लेवल का एक स्टार होता है। एक कहने की बात होती है- 'अरे भाई, तेरा स्टार है... मैं कर दूंगा।' छोटा सा भी काम हो तो लोग बोल देते हैं- 'अरे भाई, तेरा भाई स्टार है यार, मैं कर दूंगा... टेंशन मत ले।' बस वहीं से यह टाइटल आया।

फिल्म में मेरा किरदार अजय अपने आपको बहुत कमाल का एक्टर समझता है, लेकिन असल में वह बिल्कुल टैलेंटेड नहीं है। बहुत खराब एक्टिंग करता है और सोचता है कि आगे जाकर बहुत बड़ा सुपरस्टार बनेगा। पैसों के चक्कर में फंस जाता है और फिर हर जगह अपनी खराब एक्टिंग से बचने की कोशिश करता है। यही उसकी सबसे बड़ी कॉमेडी है।'

संक्षिप्त समाचार

विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह जी चौहान के प्रति जैन सोश्यल ग्रुप नागदा ने प्रकट किए कृतज्ञता के भाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश विधानसभा में माननीय डॉ. तेजबहादुर सिंह जी चौहान द्वारा प्रदान किए गए आत्मीय सानिध्य, बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं अमूल्य समय ने इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया। ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम एवं सचिव प्रशांत नाहर ने संयुक्त रूप से बताया कि डॉ चौहान साहब की आत्मीयता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु आज जैन सोशल ग्रुप, नागदा के प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यालय पहुँचकर उनका ससम्मान स्वागत-अभिनंदन किया तथा हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। आपका स्नेह, सहयोग और प्रेरणादायी व्यक्तित्व हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। आपके द्वारा दिया गया समय और अपनापन हमारे लिए अत्यंत सम्मान एवं गौरव का विषय है। इस अवसर पर दिलीप कांठेड़, यशवंत धूपिया, अमित बम, पंकज पावेचा, सुरेश जैन एडवोकेट, पारस पोखरना आदि अनेक ग्रुप सदस्य उपस्थित थे । नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट

गांव किलोड़िया मुक्तिधाम परिसर में हुआ 50 पौधों का पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया प्रेरक संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा-खाचरौद। द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भेरू सिंह चौहान व भाजपा पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लखन गुर्जर, विनोद गुर्जर के साथ किलोड़िया मुक्तिधाम परिसर में 50 पौधों का पौधारोपण किया गया साथ ही मुक्तिधाम परिसर व शिव मंदिर में पक्षियों के लिए जलपात्र भी रखे इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने पौधों की सुरक्षा एवं उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्य जीवन सिंह तंवर, राजेंद्र सिंह झाला, सौरवी भदोरिया, बजरंग सिंह चौहान, देवेंद्र कुमार नागर, लक्ष्मण सिंह डोडिया, खुशपाल सिंह डोडिया, जितेन्द्र सिंह सौलंकी, भूपेंद्र सिंह, के.पी.सिंह, भारत जी शर्मा, समरथ जी परमार, जगदीशलाल जी टेलर, दिनेश जी चावड़ा, ईश्वर जी गुर्जर, मुकेश जी सेन, दिनेश जी सेन, दशरथ जी चौधरी, भैरूसिंह जी गुर्जर, बलवंत सिंह जी गुर्जर, भारतसिंह जी गुर्जर, दुल्हेसिंह जी चौधरी, मंगूसिंह जी गुर्जर, परमानंद जी टेलर, कमलेश सोलंकी, ग्राम पंचायत सचिव कन्हैयालाल जी गहलोत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षेत्रीय महासभा द्वारा श्मशान घाट समिति के सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

पवन डागा छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पवन डागा के छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर राजनांदगांव के माहेश्वरी समाज में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर महेश्वरी पंचायत राजनांदगांव, जिला माहेश्वरी सभा, महेश्वरी महिला मंडल, महेश्वरी युवा मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन राजनांदगांव ने पवन डागा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं पवन डागा लंबे समय से माहेश्वरी समाज की सेवा में समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने युवा मंडल, जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी पंचायत में विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। वे विगत 6 वर्षों से महेश्वरी पंचायत राजनांदगांव के निर्विरोध अध्यक्ष के रूप में समाजहित में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों का नेतृत्व करते हुए अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के माहेश्वरी समाज को मिलेगा तथा उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनेगा।

ट्रंप को झटका, अमेरिकी अदालत ने एच-1बी वीजा पर फिर से भारी शुल्क लगाने की मांग ठुकराई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ दिए गए उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है, जिसमें अधीनस्थ अदालत ने उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने के निर्णय को रद्द कर दिया था. बोस्टन स्थित 'फर्स्ट सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन जजों की पीठ ने संघीय सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियो टी. सोरोकिन के आठ जून के फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था. सोरोकिन ने इस शुल्क को अवैध टैक्स बताते हुए रद्द कर दिया था, क्योंकि यह कांग्रेस की मंजूरी के बिना लगाया गया था. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में एक उद्घोषणा जारी कर नए एच-1बी वीजा प्राप्तकर्ताओं पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का निर्णय लिया था. एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को ऐसे विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनके पास विशेष क्षेत्रों में सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है. अमेरिका की आईटी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों विशेषज्ञ कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इसी वीजा पर निर्भर रहती हैं. अपीलीय अदालत ने 1989 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि कार्यपालिका (सरकार) को यह स्पष्ट रूप से दिखाना होगा कि कांग्रेस ने उस पर वित्तीय बोझ चाहे उसे 'शुल्क' कहा जाए या 'कर', लगाने का विवेकाधिकार स्पष्ट शब्दों में प्रदान किया है. अदालत ने कहा, 'हालांकि, ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि इस मामले में कांग्रेस से स्पष्ट अधिकार मिलने की यह अनिवार्य शर्त क्यों लागू नहीं होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि प्रशासन यह साबित करने में विफल रहा कि अगर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी जाती है, तो वादी राज्यों को कोई गंभीर नुकसान नहीं होगा. अमेरिका हर साल 65,000 एच-1बी वीजा जारी करता है. इसके अलावा, उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले विदेशी पेशेवरों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा भी जारी किए जाते हैं. इस वीजा पर वर्तमान में सामान्य रूप से 2,000 से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक का शुल्क लिया जाता है. एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव इस बीच, एक अमेरिकी सांसद ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने तथा ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क को कानून का हिस्सा बनाने का प्रस्ताव किया गया है. मोंटाना से रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कामगारों के अधिकारों को कमजोर करना आसान हो जाए. उन्होंने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, 'एच-1बी कार्यक्रम की शुरुआत विशेष कौशल वाले और ऐसे पदों पर कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए की गई थी जिन्हें भरना मुश्किल हो, न कि योग्य और मेहनती अमेरिकी कामगारों की जगह कम वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए. ' विधेयक में नए एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन वर्ष के लिए रोक लगाने और इसके बाद इस कार्यक्रम को काफी अधिक कड़े नियमों और उच्च मानकों के साथ दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव है।

कैस्पियन सागर में ईरानी जहाज पर यूक्रेन का हमला, तेहरान की खुली धमकी- अब भुगतने होंगे गंभीर नतीजे

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब केवल जमीनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। यूक्रेन ने पहली बार कैस्पियन सागर में एक ईरानी जहाज को निशाना बनाकर संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह जहाज कथित तौर पर रूस के लिए सैन्य कार्गो ले जा रहा था। इस हमले के बाद ईरान और यूक्रेन के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है और तेहरान ने इस कार्रवाई को 'खुली आक्रामकता' करार दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक ऐसा कदम बताया है जो जंग की आग को और भड़का सकता है। तेहरान में तैनात यूक्रेन के ष्द्धड्डद्दद्व स्र'ड्डद्मद्घड्डद्वद्धद्गद्ब को विरोध दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस 'दुस्साहस' के लिए यूक्रेन और उसे उकसाने वाले उसके समर्थक देश पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। हालांकि, हमले में जहाज को कितना नुकसान हुआ है, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। एक तरफ यूक्रेन ने समुद्र में पलटवार किया है, तो दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेनी शहरों पर मिसाइलों की बरसात कर दी है। शनिवार रात रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया।

गिलगित बाल्टिस्तान में भारी तबाही, अचानक आई बाढ़ से चौथे दिन भी संपर्क पूरी तरह कटा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खबरों के अनुसार पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड के कारण कई इलाकों का सड़क संपर्क लगातार चौथे दिन भी पूरी तरह से कटा हुआ है। बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्गों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत और बहाली कार्य भी बहुत बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सड़कें बंद होने से हजारों स्थानीय निवासी और पर्यटक विभिन्न घाटियों में फंसे हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को पेयजल, बिजली और संचार सेवाओं की भी भारी कमी का लगातार सामना करना पड़ रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक अताउर रहमान काकर ने इस गंभीर स्थिति पर अहम बयान दिया है। उन्होंने बताया कि 18 से 21 जुलाई के बीच क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर का तापमान दर्ज किया गया था। इस बढ़ती गर्मी से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघले और कई स्थानों पर ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की भयानक घटनाएं हुईं। नगर जिले की हिस्पर घाटी के निवासियों ने बताया कि सड़क संपर्क टूटने से मरीजों और छात्रों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाटी में खाद्य सामग्री और जरूरी

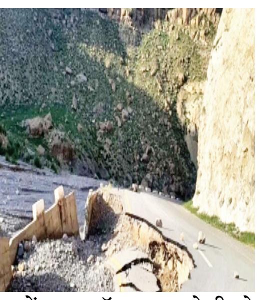

दवाइयों का स्टॉक बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जिससे हालात बिगड़ रहे हैं। वहीं, दियामेर, अस्तोर और घिजर जिलों के लोगों ने भी बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित होने की बड़ी शिकायत दर्ज कराई है। अस्तोर घाटी के परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर राहत कार्यों की धीमी गति को लेकर अपनी गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि घाटी का सड़क संपर्क पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बाधित है, जिससे क्षेत्र अलग-थलग पड़ गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारी बारिश के कारण पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में अचानक आई इस बाढ़ ने बहुत व्यापक तबाही मचाई थी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 13 जुलाई को दियामेर जिले में छह स्थानों पर फ्लैश फ्लड की खौफनाक घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस भयानक बाढ़ में कई मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि काराकोरम हाईवे के कई हिस्सों को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है।

बर्लिन पुलिस का दावा- इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़ा है आरोपी, संदिग्ध की तलाश तेज

बर्लिन , एजेंसी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के प्राइड कार्यक्रम के दौरान हुए हमले के मामले में पुलिस ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का संबंध बर्लिन में सक्रिय इस्लामी कट्टरपंथी समूहों या नेटवर्क से है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी के लिए तेजी से छापेमारी की जा रही है। बर्लिन में शनिवार रात वार्षिक क्रिस्टोफर स्ट्रीट डे (प्राइड) कार्यक्रम के दौरान एक कार भीड़ में घुस गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि यह हादसा था या जानबूझकर किया गया हमला। वहीं, बर्लिन के मेयर काई वेगनर ने इसे शहर की आजादी और खुले समाज पर हमला बताया है। बर्लिन पुलिस के प्रवक्ता फ्लोरियन नाथ ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जांच के शुरुआती चरण में ही संदिग्ध की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है, लेकिन वह पहले से पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज है और बर्लिन का ही रहने वाला है। उन्होंने आगे कहा, 'हमने शुरुआती जांच के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान कर ली है। वह बर्लिन में सक्रिय इस्लामी समूहों से जुड़ा हुआ है और पुलिस उसे पहले से जानती है'। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश पूरी तेजी से जारी है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले का मकसद क्या था और घटना में कितने लोग घायल हुए। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। बर्लिन का प्राइड कार्यक्रम हर साल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों, समानता और विविधता के समर्थन में हजारों लोग शामिल होते हैं।

चीन पर टूटा टाइफून नोल का कहर, तीन लाख से अधिक लोगों को छोड़ना पड़ा घर; सैकड़ों उड़ानें रद्द

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिणी चीन के तटीय इलाकों में रविवार तड़के शक्तिशाली चक्रवाती तूफान नोल ने भीषण दस्तक दी। 145 किलोमीटर प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार और मूसलाधार बारिश के साथ आए इस टाइफून ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने ग्वांगडोंग प्रांत से अब तक 3,40,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया है।

तड़के 3:50 बजे हुआ लैंडफॉल : चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, टाइफून नोल रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 3:50 बजे दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के हुइझोउ शहर स्थित हुइडोंग काउंटी के तट से टकराया। लैंडफॉल के वक्त हवाओं की गति बेहद डरावनी थी। हालांकि, हांगकांग वेधशाला का कहना है कि जमीनी हिस्से से टकराने के बाद यह

तूफान धीरे-धीरे ग्वांगडोंग के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रहा है और इसकी तीव्रता में मामूली कमी दर्ज की गई है। तूफान का सबसे बड़ा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ा है। हांगकांग एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, शनिवार और रविवार के बीच 150 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, चाइना न्यूज सर्विस ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से ग्वांगडोंग प्रांत में रविवार को चलने वाली सभी ट्रेन सेवाओं को स्थगित कर दिया गया है। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, शनिवार दोपहर से ही लोगों को सुरक्षित निकालने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। नोल के असर से हांगकांग में शनिवार को एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत का मचान गिर गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उधर, ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि तूफान ताइवान के दक्षिण से गुजरते हुए भारी बारिश लेकर आया है, जिससे द्वीप के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में मौसम बिगड़ गया है। चीन के लिए जुलाई का महीना मौसम के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस महीने की शुरुआत में टाइफून बावी ने पूर्वी चीन में कहर बरपाया था, जिसके कारण 20 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। उससे पहले 3 जुलाई को टाइफून मेसाक ने भी दक्षिणी चीन के तटों पर दस्तक दी थी। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वीकेंड के दौरान ग्वांगडोंग और दक्षिण-पूर्वी फुजियान प्रांतों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। टाइफून नोल के प्रभाव से परिवहन सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार और रविवार को 150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि गुआंगदोंग प्रांत में रविवार की कई ट्रेन सेवाएं भी स्थगित कर दी गईं। हांगकांग में तेज हवाओं के कारण एक ऊंची इमारत पर लगा मचान गिर गया।

धधक रहा यूरोप ! फ्रांस और स्पेन में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने छोड़ा घर, जलकर खाक हुए लाखों हेक्टेयर जंगल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी और जंगलों में लगी बेकाबू आग की चपेट में हैं। फ्रांस और स्पेन में हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब तक करीब 3,40,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। तेज हवाओं और रिकॉर्ड तापमान ने आग को बुझाने के प्रयासों को और भी मुश्किल बना दिया है, जिससे अधिकारी इस संकट को नियंत्रण से बाहर बता रहे हैं।

फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बोर्दो शहर की ओर बढ़ रही आग ने अब प्रशासन की नींद उड़ा दी है। यहां के गिरोंडे और लैंडेस क्षेत्रों से अब तक लगभग 2,50,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता

है कि धुएं की गंध 100 मील दूर तक महसूस की जा रही है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे एक अभूतपूर्व स्थिति बताते हुए राहत कार्यों के लिए सेना को मैदान में उतार दिया है। आग की वजह से पैदा हुए सुरक्षा संकट के कारण दुनिया की मशहूर साइकिल रेस 'टूर डी फ्रांस' के अंतिम चरण के रूट को भी छोटा करना पड़ा है। दमकल अधिकारियों का कहना है कि आग इतनी भीषण है कि वह अपनी खुद की हवाएं और बवंडर पैदा कर रही है, जिससे इस पर काबू पाना लगभग असंभव हो रहा है।

स्पेन में भी स्थिति भयावह बनी हुई है, जहां सरकार ने आपातकाल घोषित कर दिया है। राजधानी मैड्रिड और आसपास के इलाकों से करीब 60,000 लोगों को विस्थापित किया गया है। वैलेंसिया क्षेत्र में आग की चपेट में आने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति की कार में मौत होने की दुखद खबर भी सामने आई है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने स्वीकार किया है कि आने वाले समय में चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक स्पेन में 1,30,000 हेक्टेयर और फ्रांस में 98,000 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो चुके हैं। यूरोपीय संघ की संकट प्रबंधन आयुक्त हाजा लहबीब ने चेतावनी दी है कि आग लगने का सिलसिला समय से पहले शुरू होने के कारण इस साल तबाही के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। इस महासंकट से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने एकजुटता दिखाते हुए मदद भेजी है।

ट्रंप के दो अफसरों को नहीं मिला वीजा, ब्राजील चुनाव में दखल देने की साजिश हुई नाकाम

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने ट्रंप प्रशासन के दो बड़े अधिकारियों को वीजा देने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इन दोनों अमेरिकी अधिकारियों पर देश की चुनावी व्यवस्था और प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। सूत्रों के अनुसार यह माना जा रहा था कि अमेरिकी अधिकारियों का यह ब्राजील दौरा अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को सीधे तौर पर प्रभावित करने की कोशिश थी। यह चुनाव वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा और ट्रंप समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच होगा। वीजा आवेदन खारिज होने वाले इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स शामिल थे। उनके साथ डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी सैमुअल सैमसन भी ब्राजील जाने वाले थे, लेकिन शुक्रवार को उनके वीजा आवेदन ठुकरा दिए गए। एक ब्राजीलियाई अधिकारी ने बताया कि वीजा आवेदन खारिज करने का यह बड़ा फैसला खुफिया सबूतों के आधार पर लिया गया है। ये सबूत पूरी तरह से यह इशारा करते हैं कि वे चुनावी व्यवस्था को कमजोर करने और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। ब्राजील के इस बड़े चुनाव में हस्तक्षेप की यह सनसनीखेज कोशिश ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन लैटिन अमेरिका में सक्रिय है। डोनाल्ड ट्रंप लैटिन अमेरिका के कई देशों में लगातार राजनीतिक घटनाक्रम को अपने अनुसार

प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला और अर्जेंटीना के जेवियर मिलेई का भी खुलकर समर्थन किया था। इससे पहले वे चिली के जोस एंटोनियो कास्ट जैसे दक्षिणपंथी नेताओं का भी मंच से बहुत ही खुलकर अपना समर्थन कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने साल 2022 के चुनाव से पहले देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाए थे। जायर बोल्सोनारो की यह पूरी रणनीति अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साल 2020 के चुनाव के बाद अपनाए गए रुख से बिल्कुल मिलती है। उस ऐतिहासिक चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने बड़ी जीत दर्ज की थी जिसके बाद बोल्सोनारो को 2030 तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया। बाद में बोल्सोनारो को सत्ता में बने रहने की साजिश के आरोप में 27 साल की जेल हुई और वह हाउस अरेस्ट में हैं। अब ब्राजील में नए चुनावी चक्र की शुरुआत के साथ ही फ्लावियो बोल्सोनारो अपने पिता की पुरानी राजनीतिक विरासत को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर से भारी संदेह फैलाना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फिर से हुआ जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत, जांच जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक बार फिर से अशांति और खौफ का माहौल है। शनिवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में एक बहुत ही जोरदार धमाका हुआ है। इस भयानक धमाके में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि इस जानलेवा हमले के समय मौके पर एक स्थानीय नेता भी मौजूद थे जो बाल-बाल बच गए। पुलिस ने हमले में मारे गए दोनों लोगों के शवों को कब्जे में लेकर खार अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस बड़े और खौफनाक धमाके की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से नहीं ली है। धमाके के बाद से ही पूरे इलाके में भारी अफरा-तफरी और तनाव का माहौल स्पष्ट रूप से बना हुआ है।

बाजौर जिले में हुआ धमाका : यह दिल दहला देने वाली घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में घटी है। सलारजई तहसील में स्थित ताली बांध के पास यह जोरदार धमाका हुआ जिसने सबको चौंका दिया। पुलिस के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले दोनों लोग बाजौर जिले के ही रहने वाले थे। मारे गए लोगों की पहचान सुलेमान कारी और गुलाम के रूप में स्पष्ट तौर पर की गई है।

लगातार हो रहे हैं आतंकी हमले : उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पिछले कुछ सालों से लगातार भारी अशांति का सामना कर रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां बढ़ रही उग्रवादी हिंसा और अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा-पार आवाजाही है। इलाके में बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के

कारण भी आम जनता को काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' यहां लगातार हिंसक हमलों को आसानी से अंजाम देता रहा है।

टीटीपी ने बढ़ाई मुश्किलें : पाकिस्तान की संघीय सरकार का साफ आरोप है कि आतंकी संगठन टीटीपी ने नवंबर 2022 में संघर्ष-विराम समझौता तोड़ दिया था। इसके बाद से ही अफगानिस्तान से सटे प्रांतों में आतंकी हमलों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। इन हमलों में न सिर्फ आम नागरिक बल्कि सुरक्षाबलों को भी अपना निशाना लगातार और बेरहमी से बनाया जा रहा है। सरकार और पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से लगातार कड़े प्रयास कर रही है।

पहले भी गई 15 जवानों की जान : इससे पहले 24 जुलाई को भी पाकिस्तान के इसी प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आत्मघाती हमला हुआ था। बन्नू जिले में एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी गाड़ी सुरक्षा चौकी से सीधे टकरा दी थी। उस भयानक आत्मघाती हमले में सेना के 12 सैनिकों और 2 पुलिसकर्मियों सहित 15 सुरक्षाकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। मृतकों में वन विभाग का एक पूर्व सरकारी अधिकारी भी शामिल था, जो आतंकवाद की भयावहता को साफ दर्शाता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.